केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 309 रविवार 2 जून 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

पुलिसकर्मी पर हमला मामले में 5 वर्ष की सजा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। फॉस्ट ट्रैक कोर्ट के न्यायाधीश प्रमोद कुमार गिरि की अदालत ने पीआरबी पुलिस कर्मी के ऊपर जानलेवा हमला करने के मामले में मुंडेरवा थानाक्षेत्र के गंगौरा गांव निवासी अखिलेश को पांच वर्ष का सश्रम कारावास व 7500 रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड नहीं अदा करने पर 18 माह 15 दिनों की अतिरिक्त सजा काटनी होगी।

शासकीय अधिवक्ता वेदप्रकाश पांडेय व अमर बहादुर पाल ने अदालत को बताया कि पांच अक्टूबर 2020 को डॉयल–112 पर सूचना मिली। सूचना पर पीआरबी के प्रभारी रविंद्र राय, कांस्टेबल चालक सत्येंद्र नाथ यादव व अन्य पुलिसकर्मी थालापार शिवमंदिर पर पहुंचे तो मंदिर पर एक व्यक्ति मिला। उस आदमी ने लोहे के त्रिशूल को उठाकर जान से मारने की नीयत से चालक सत्येंद्र नाथ यादव के ऊपर वार कर दिया। अन्य पुलिस कर्मियों की मदद से आरोपी अखिलेश को थाने लाया गया। उसके खिलाफ मुकदमा पंजीकृत करके आरोप पत्र कोर्ट में दाखिल किया था। न्यायाधीश ने साक्ष्य के आधार पर अखिलेश को जानलेवा हमला करने के मामले में दोषी मानते हुए सजा सुनाई।

टावर के पास बेहोश मिले व्यक्ति की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के भादीखुर्द गांव के पास टावर के बगल खेत में बेहोशी की हालत में एक व्यक्ति पाया गया। मौके पर पहुंची पुलिस की डायल 112 टीम ने उसे सीएचसी सल्टौआ ले गए। यहां चिकित्सक ने देखते ही जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल के डॉक्टर ने उसे देखते ही मृत घोषित कर दिया।

मृतक की पहचान थाना क्षेत्र के विछियागंज गांव निवासी प्रवेश चौधरी ऊर्फ मकारू (36) के रूप में हुई। इस संबंध में पूछे जाने पर एसएचओ दिनेश चन्द्र चौधरी ने बताया कि मृतक के शव को कब्जे में लेकर उसे पीएम के लिए भेज दिया गया है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा। मृतक शराब के नशे का आदती बताया जाता है।

दुष्कर्म मामले में 10 वर्ष की सजा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। फास्ट ट्रैक कोर्ट के न्यायाधीश प्रमोद कुमार गिरि की अदालत ने विधवा के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में 10 वर्ष सश्रम कारावास व 30 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड नहीं अदा करने पर दो वर्ष अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी।

शासकीय अधिवक्ता वेदप्रकाश पांडेय व अमर बहादुर पाल ने अदालत को बताया कि सोनहा थानाक्षेत्र की एक विधवा महिला ने कोर्ट के माध्यम से थाना सोनहा में मुकदमा पंजीकृत करा कर कहा कि उसके पति की एक वर्ष पहले मृत्यु हो गई है। उसका पड़ोसी राम सुरेश दबंगई के बल पर उसके साथ बलात्कार किया। 13 मई 2013 को रात 10 बजे राम सुरेश व उसकी पत्नी सुखपाती उसके घर में घुसकर मारा पीटा और धमकी दी कि शिकायत करोगी तो जान से खत्म कर देंगे। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर दोनों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया, बाद में अंतिम रिपोर्ट लगा दी। पुर्नविवेचना के बाद पुलिस ने रामसुरेश के विरुद्ध दुष्कर्म के मामले में आरोप–पत्र कोर्ट में दाखिल किया। न्यायाधीश ने साक्ष्य के आधार पर रामसुरेश को दुष्कर्म के मामले में दोषी मानते हुए 10 वर्ष की सजा सुनाई।

चुनाव पूर्वानुमानों में तीसरी बार मोदी सरकार का संकेत

नई दिल्ली (आभा)। सातवें चरण के मतदान के साथ ही लोकसभा चुनाव 2024 की मतदान प्रक्रिया संपन्न हो गई। शाम छह बजे तक मतदान हुआ। उसके बाद शाम करीब साढ़े छह बजे से एग्जिट पोल जारी होने शुरू हो गए। लोकसभा चुनाव के नतीजे 4 जून को घोषित किए जाएंगे। नतीजों से पहले आज शाम को अलग–अलग मीडिया चौनलों और सर्वे एजेंसियों की तरफ से एग्जिट पोल जारी किए। देश में किस पार्टी की सरकार बन सकती है? किस पार्टी को कितनी सीटें मिल सकती हैं?

एबीपी–सी वोटर के एग्जिट पोल के अनुसार, आंध्र प्रदेश में 21–25 सीटें एनडीए जीत सकती है। तेलंगाना में भाजपा 7–9 सीटें, कांग्रेस 7–9, एआईएमआईएम 0–1 सीटें जीत सकती है। वहीं कर्नाटक में एनडीए 23–25, इंडी गठबंधन 3–5, अन्य शून्य सीटें जीत सकते हैं।

न्यूज24– टुडेज चाणक्य के एग्जिट पोल के अनुसार, छत्तीसगढ़ में सभी 11 सीटें भाजपा को मिल सकती हैं। उत्तराखंड में सभी पांचों सीटें भाजपा को मिल सकती हैं। गुजरात में भी 26 सीटों पर भाजपा कब्जा कर सकती है। तीनों ही राज्यों में कांग्रेस का खाता खुलता नहीं दिख रहा है।

टीवी9 के अनुसार, तमिलनाडु में भाजपा–2, डीएमके–21 और अन्य को शून्य सीटें मिलने का अनुमान है। वहीं कर्नाटक में एनडीए–20, कांग्रेस को 8 सीटें मिल सकती हैं।

रिपब्लिक टीवी मैट्रिज के एग्जिट पोल के अनुसार, महाराष्ट्र में एनडीए को 30–36, इंडी गठबंधन 13–19, वहीं अन्य को शून्य सीटें मिल सकती हैं।

एबीपी सी वोटर में, तमिलनाडु में एनडीए को 0–2 सीटें, इंडी गठबंधन 37–39 सीटें, अन्य को शून्य सीटें मिलने का अनुमान जताया है।

रिपब्लिक टीवी पीएमएआरक्यू के अनुसार, एनडीए को 359, इंडी गठबंधन को 154, अन्य को 30 सीटें मिल सकती हैं।

टीवी9 के अनुसार केरल में एनडीए एक सीट, यूडीएफ –16, एलडीएफ–3 और अन्य को शून्य सीटें मिल सकती हैं।

एबीपी सी वोटर ने आंध्र प्रदेश के लिए एनडीए को 21–25, वाईएसआरसीपी को 4, कांग्रेस– 0, अन्य को भी जीरो सीटें मिलने का अनुमान जताया है।

रिपब्लिक टीवी मैट्रिज और पीमारक्यू के एग्जिट पोल में एनडीए को 353–368 सीटें, इंडिया गठबंधन को 118–133 सीटें दी हैं। अन्य को 43–48 सीटें मिल सकती हैं।

टीवी9 के तमिलनाडु के एग्जिट पोल में एनडीए को 22.43 प्रतिशत वोट शेयर दिया गया है। वहीं इंडिया गठबंधन को 42 प्रतिशत और एआईएडीएमके को 12 प्रतिशत वोट शेयर दिया गया है।

स्कूल ऑफ पॉलिटिक्स के द्वारा किए गए सर्वे में एनडीए 400 के आंकड़े को छूती नजर आ रही है। सर्वे एजेंसी का दावा है कि उसने 20 लाख से अधिक लोगों की राय जानने की कोशिश की है। हर लोकसभा सीट पर कम से कम 3000 लोगों तक पहुंचने का दावा किया है। एग्जिट पोल के अनुमान अगर परिणाम में बदलते हैं तो बिहार की काराकाट सीट से पवन सिंह चुनाव हार रहे हैं। वहीं, रायबरेली और वायनाड सीट से राहुल गांधी चुनाव जीत रहे हैं। हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट से कंगना रनौत को बढ़त दिख रही है। हमीरपुर सीट भी बीजेपी के खाते में जाती दिख रही है।

एग्जिट पोल के पूर्लानुमान के मुताबिक. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, राजनाथ सिंह चुनाव जीतते दिख रहे हैं। दिल्ली से कन्हैया कुमार के लिए एग्जिट पोल झटका साबित हो सकता है। उनकी सीट से मनोज तिवारी आगे दिख रहे हैं। पश्चिम बंगाल की आसनसोल लोकसभा सीट पर टीएमसी को बड़ा झटका लगता दिख रहा है। टीएमसी के स्टार प्रचारक और पूर्व सिने एक्टर शत्रुघ्न सिन्हा भी पिछड़ते नजर आ रहे हैं।

एग्जिट पोल में मुस्लिम वोटों को लेकर भी अनुमान जाहिर किया गया है। इसके अनुसार जहां भी कांग्रेस लड़ रही है, उन सीटों का औसत देखें तो 72 फीसदी मुस्लिम वोट उसे मिला है। इसके अलावा भाजपा को देश भर में 59 फीसदी ओबीसी वोट हासिल हुआ है। भाजपा को महिलाओं का 49 फीसदी वोट मिला है। एक और रोचक आंकड़ा यह है कि पहली बार मतदान करने वाले युवा समेत 35 साल तक की आयु वर्ग वाले 48 फीसदी लोगों ने भाजपा को मतदान किया है। बता दें कि पीएम नरेंद्र मोदी अकसर अपने भाषणों में युवा आबादी का जिक्र करते रहे हैं।

2019 के लोकसभा चुनाव की बात करें तो बीजेपी के खाते में 303 सीटें थीं। वहीं कांग्रेस को केवल 52 सीटों पर जीत हासिल हो सकी थी। टीएमसी को 22 सीटों पर जीत मिली थी। जेडीयू को 16 सीटों और समाजवादी पार्टी को मात्र पांच सीटें मिली थीं। बीएसपी को यूपी में 10 सीटों पर जीत हासिल हुई थी।

बैंक शिविर में कैदियों ने खुलवाये खाते

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शनिवार को जनपद के लीड बैंक के सहयोग से जिला कारागार बस्ती में बैंक शिविर का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन जिलाधिकारी ने किया ।

जिलाधिकारी अन्द्रा वामसी, मुख्य विकास अधिकारी जयदेव सीएस की उपस्थिति में बैंक की टीम द्वारा बंदियों के खाते खुलवाने, के0वाई0सी0 अपडेट कराने आदि कार्य सम्पन्न हुए।

इस अवसर पर कारागार अधीक्षक अंकेक्षिता श्रीवास्तव, कारापाल अपूर्व व्रत पाठक, उप कारापालगण समेत लीड बैंक के प्रबन्धक आर0एन0 मौर्य, एस0बी0आई के प्रबंधक नरेन्द्र कुमार, बड़ौदा यू0पी0 बैंक के प्रबंधक पूर्णिमा पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।इस कैम्प में 8 बंदियों द्वारा नया खाता खुलवाया गया, 3 बंदियों द्वारा चेकबुक के लिए आवेदन किया गया, 15 बंदियों द्वारा रूपया निकाला गया, 5 बंदियों द्वारा के0वाई0सी0 हेतु आवेदन किया गया, 2 बंदियों द्वारा एन0पी0सी0आई0 हेतु आवेदन किया गया, 4 बंदियों द्वारा अपने खाते की धनराशि के बारे में जानकारी ली गयी एवं 01 बंदी द्वारा एटीएम कार्ड हेतु आवेदन किया गया।

जेल अधीक्षक अंकेक्षिता श्रीवास्तव ने कहा कि लीड बैंक के सहयोग से समय–समय पर बैंक शिविर का आयोजन किया जायेगा जिससे कारागार के भीतर से ही बंदियों की समस्याओं का निस्तारण हो सके।

खरगे का दावा: इण्डिया गठबंधन को मिलने जा रहीं 295 से ज्यादा सीट

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

नई दिल्ली। विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलांयस' (इंडिया) के दलों के नेताओं ने शनिवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर अनौपचारिक बैठक कर लोकसभा चुनाव की मतगणना से जुड़ी तैयारियों एवं रणनीति चर्चा की। बैठक में तृणमूल कांग्रेस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) शामिल नहीं हुई। इस मीटिंग के बाद मल्लिकार्जुन खरगे ने दावा किया कि इंडिया गठबंधन 295 सीटों से ज्यादा जीतने जा रहा है। मालूम हो कि आज सातवें फेज की वोटिंग हो रही है और शाम साढ़े छह बजे के बाद एग्जिट पोल के नतीजे आने लगेंगे।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, शनिवार को हमारी बैठक हुई, जिसमें ढाई घंटे तक कई विषयों पर चर्चा हुई। खासतौर पर चुनाव परिणाम के समय क्या–क्या कठिनाइयां आ सकती हैं और कैसे उसे ठीक करना है। कार्यकर्ताओं को क्या–क्या निर्देश दिए जाने हैं, इस पर भी चर्चा हुई। इंडिया गठबंधन 295 से ज्यादा सीटें आ रही हैं।

इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। यह हमारा सर्वे नहीं, बल्कि जनता का सर्वे है। हमारे नेताओं को जो जानकारी मिली है, उस आधार पर आपको बताया गया है।''

खरगे के आवास '10 राजाजी मार्ग' पर आयोजित इस बैठक में खरगे, कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा और के.सी. वेणुगोपाल, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एससीपी) के प्रमुख शरद पवार, आम आदमी पार्टी के प्रमुख एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, नेशनल कॉन्फ्रेंस के फारूक अब्दुल्ला और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव शामिल हुए। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव सीताराम येचुरी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव डी. राजा, राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव, द्रमुक के टी. आर. बालू, झारखंड मुक्त मोर्चा के नेता एवं झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन, शिवसेना (यूबीटी) के अनिल देसाई, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माले) के नेता दीपांकर भट्टाचार्य और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख मुकेश सहनी ने भी इस बैठक में भाग लिया। खरगे ने बैठक का वीडियो 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा, 'मतगणना वाले दिन की तैयारियों का जायजा लेने के लिए 'इंडिया' के घटक दलों के नेताओं ने अनौपचारिक बैठक की। लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है और सभी दलों के नेता और कार्यकर्ता बेहद सतर्क हैं। मैं उनमें से प्रत्येक को उनकी सम्मानजनक उपस्थिति के लिए धन्यवाद देता हूं। श्श उनका कहना था, ''हमने अपनी पूरी ताकत से लोकसभा चुनाव लड़ा है और सकारात्मक परिणाम को लेकर आश्वस्त हैं, क्योंकि भारत के लोगों ने हमारा समर्थन किया है। बदलेगा भारत, जीतेगा इंडिया।'' कांग्रेस ने अपनी राज्य इकाइयों को फॉर्म 17सी को लेकर सतर्क रहने को कहा है। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने पहले ही कह दिया था कि वह इस बैठक में शामिल नहीं हो सकेंगी। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने शनिवार को 'मैं संभवतरू नहीं जाऊं क्योंकि मेरी मां की आंख की सर्जरी हुई है।'' यह बैठक उस दिन हुई जब लोकसभा चुनाव के सातवें एवं अंतिम चरण के लिए वोट पड़ रहे हैं।

यूपी के एग्जिट पोल में भाजपा को 62 सीटे: हार रहे ओपी राजभर के बेटे अरविंद

लखनऊ (आभा)। यूपी की 80 सीटों पर सात चरणों में हुए लोकसभा चुनाव अब खत्म हो गए हैं। स्कूल ऑफ पॉलिटिक्स माम की एजेंसी की मानें तो यूपी की 80 सीटों में से 62 पर भाजपा जीत मिल रही है। वहीं इंडिया गठबंधन के खाते में 18। एग्जिट पोल में हार रहे ओपी राजभर के बेटे अरविंद, ब्रजभूषण के बेटे करण भूषण मिल रही जीत।

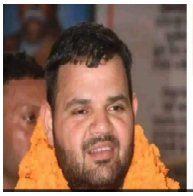

घोसी, केसरगंज, कैराना और सहारनपुर लोकसभा सीट से कौन जीतेगा इसका फैसला 4 जून के परिणाम आने के बाद ही पता चल पाएगा। लेकिन इससे पहले आए एग्जिट पोल के जरिए जनता के मूड को भांपने की कोशिश की गई है। स्कूल ऑफ पॉलिटिक्स के सर्वे के मुताबिक घोसी में ओपी राजभर के बेटे अरविंद राजभर हार रहे हैं। तो वहीं, केसरगंज से ब्रजभूषण शरण सिंह के बेटे करण भूषण सिंह को जीत मिलती दिख रही है। इसके अलावा कैराना से इकरा हसन और सहारनपुर से इमरान मसूद भी हार रहे हैं।

स्कूल ऑफ पॉलिटिक्स नाम की एजेंसी ने 20 लाख सैंपल साइज के बीच देश भर में सर्वे का दावा किया है। इस सर्वे में एआई का भी इस्तेमाल किया गया है। सर्वे की माने तो यूपी की 80 सीटों में से 62 सीटों पर भाजपा जीतती नजर आ रही है। जबकि 18 सीटों पर सपा–कांग्रेस गठबंधन को जीत मिल रही है। वहीं, बसपा की बात करें तो इस बार उसका खाता भी नहीं खुल रहा है। 2019 के चुनाव में जो सीटें सपा–बसपा गठबंधन के पास थीं वह सीट भी इस बार भाजपा के खाते में जाती दिख रही है। सहारनपुर से इंडिया गठबंधन के इमरान मसूद और कैराना से इकरा हसन को भी हार मिल रही है।

बिहार एग्जिट पोल के नतीजों में एनडीए का दबदबा

पटना (आभा)। बिहार एग्जिट पोल के नतीजे जारी होने लगे हैं। स्कूल ऑफ पॉलिटिक्स एजेंसी के सर्वे में बिहार में एनडीए की बंपर जीत का दावा किया गया है। इस सर्वे में बीजेपी, जेडीयू और सहयोगी पार्टियों को 38 सीटें, जबकि आरजेडी, कांग्रेस के महागठबंधन को महज दो सीटों पर जीत का अनुमान लगाया गया है। आजतक एक्सिस माय इंडिया के एग्जिट पोल में बिहार में एनडीए को 29–33 सीटें जबकि महागठबंधन को 7–11 सीटों पर जीत मिलने का अनुमान लगाया गया है। शनिवार को बिहार की आठ लोकसभा सीटों पर अंतिम चरण में वोट डाले गए। शाम 6.30 बजे बाद बिहार एग्जिट पोल के नतीजे जारी होने लगे। इस लोकसभा चुनाव में बिहार में एनडीए के तहत भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी), नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू),

चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास (एलजेपी आर), उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) एवं जीतनराम मांझी की हिन्दुस्तान आवाम मोर्चा का लालू एवं तेजस्वी यादव की राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी), राहुल गांधी की कांग्रेस एवं वामदल– सीपीआई, सीपीएम, सीपीआई माले से मुकाबला है। एग्जिट पोल से ठीक पहले तेजस्वी ने दावा किया कि इंडिया गठबंधन लोकसभा चुनाव जीतने वाला है।

बिहार की 40 लोकसभा सीटों पर सभी सात चरणों में चुनाव हुए। अंतिम चरण में पाटलिपुत्र, पटना साहिब, काराकाट, बक्सर, आरा, जहानाबाद, नालंदा और सासाराम में वोटिंग हुई। काराकाट, बक्सर, जहानाबाद, पूर्णिया, सीवान जैसी कुछ सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबला है। यहां एनडीए और महागठबंधन के बागी उम्मीदवार भी मैदान में हैं।

गौर ओवर ब्रिज की बदहाली पर मौन हैं जिम्मेदार

–मनोज सिंह–

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

गौर (बस्ती)। गौर ओवर ब्रिज जनपद के विशिष्ट ओवर ब्रिज में उसकी गिनती होती है क्योंकि जिस तरह से घुमावदार ओवर ब्रिज गौर में निर्माण हुआ है उस तरह का ओवर ब्रिज पूरे जनपद में देखने को नहीं मिलेगा । यह ओवर ब्रिज निर्माण शुरू होने के बाद लंबे समय तक बाधित रहा किसी तरह जब बनकर तैयार हुआ तो ओवरब्रिज पर इतना अधिक घुमाव है जिसके चलते आए दिन कोई ना कोई चोटिल होता रहता है । इस ओवर ब्रिज को तैयार हुए पांच साल से अधिक हो गए किंतु आज तक इस ओवर ब्रिज पर लाइट की कोई व्यवस्था नहीं है जिसके चलते रात में साइकिल से पार करने वाले नागरिकों को आए दिन तकलीफ उठाना पड़ता है लेकिन जिन लोगों की जिम्मेदारी है ओवर ब्रिज पर लाइटिंग और गड्ढा मुक्त तथा साफ सफाई कराने की साफ सफाई की जिम्मेदारी वही के

उन लोगों को यह समस्या आखिर क्यों नहीं नजर आती यक्ष प्रश्न है ?

ओवर ब्रिज की समस्या को लेकर पीडब्ल्यूडी के सहायक अभियंता धनंजय पांडे से इस समस्या के निदान के लिए उनका पक्ष जानना चाहा तो पहले वह ओवर ब्रिज को ब्रिज कॉरपोरेशन निर्माण कंपनी का हवाला देकर वहां से पत्राचार करके कार्य करने की बात कहा साथ ही स्थानीय सफाई कर्मी की जिम्मेदारी बताया ।

ओवर ब्रिज के किनारे मदार और अन्य बड़े–बड़े खर को काटने की बात पर पहले तो सहायक अभियंता दूसरों पर जिम्मेदारी थोपते रहे लेकिन पुनः उन्होंने फोन करके आश्वासन दिया की वर्तमान समय में हीट वेव अधिक है लेकिन सुबह शाम में गैंगमैन से लंबे समय से उग आये मदार के पेड़ को और अन्य खरों को कटवा देंगे ।

पुण्य तिथि पर याद किये गये महात्मा संतराम बीए

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । अखिल भारतीय प्रजापति 'कुम्भकार' महासंघ द्वारा बड़े बन स्थित एक मैरेज हाल के सभागार में महात्मा संतराम बीए को उनके 36 वें पुण्य तिथि पर याद किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मेहीलाल प्रजापति और संचालन डा. कृष्ण कुमार प्रजापति ने किया।

'कुम्भकार' महासंघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राम मिलन प्रजापति ने कहा कि संतराम बीए ने समाज में व्याप्त कुरीतियां, ऊंच नीच के भेदभाव को मिटाने के लिये आखिरी सांस तक संघर्ष किया। महासचिव महेन्द्रनाथ प्रजापति ने कहा कि उन्होने 112 पुस्तकों का लेखन कर समाज को जगाया। लोगों को उनके पुस्तकों से जुड़ना चाहिये। महासंघ के जिलाध्यक्ष दिनेश कुमार प्रजापति

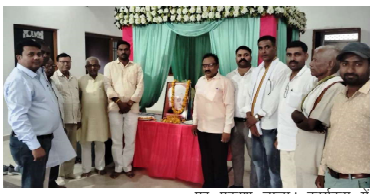

ने लोगों का आवाहन किया कि वे संतराम बीए के संकल्पों को साकार करने के लिये एकजुट हो और अपने जागरूकता का परिचय दें।

महासंघ के भगवानदीन प्रजापति, नेबूलाल प्रजापति, गजेन्द्र प्रजापति, दिनेश कुमार प्रजापति, धर्मेन्द्र कुमार प्रजापति, राम उजागिर प्रजापति आदि ने संतराम बीए के सामाजिक योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में उपस्थित पदुमनाथ प्रजापति, पुरुषोत्तम प्रजापति, चन्द्रभान प्रजापति, मुन्नीलाल प्रजापति, हरिकेश प्रजापति, अभिषेक कुमार, अवध नरायन प्रजापति, मिथिलेश कुमार प्रजापति आदि उपस्थित लोगों ने संतराम बीए के चित्र पर पुष्पार्चन कर उन्हें नमन् किया।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 2 जून 2024 रविवार

सम्पादकीय

धन और राजनीति का संगम

इसे सौभाग्य या प्रगति तो नहीं कहा जा सकता। क्या ऐसा होता है कि किसी भी तरह से कमाए गए धन और लोकतांत्रिक तरीके के इस्तेमाल से प्राप्त राजनीतिक सत्ता का घालमेल हो जाए और कुछ भी न किया जा सकता हो? एक ऐसा नशा हो जाए जिसका उतरना सामान्य परिस्थितियों में संभव न हो। एक तो करेला और ऊपर से नीम चढ़ा जिसे जिसकी लाठी उसकी भैंस भी कह सकते हैं। हमारे देश के सब से बड़े धनपतियों में से एक अडानी समूह है जिसका विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक, व्यापारिक और औद्योगिक साम्राज्य है। प्रगति में उनके योगदान को नकारा नहीं जा सकता। परंतु प्रश्न यह है कि क्या केवल इसी आधार पर इस समूह को वह सब करने की छूट मिलनी चाहिए जो अनुचित है, दुरुपयोग करने के दायरे में आता है और एक बहुत बड़े क्षेत्र और वहां रहने वालों के लिए जीवन भर की त्रासदी बन जाता है। विषय यह है कि समूह ने योजना बनाई कि खनिज पदार्थों से मालामाल, अनुपम सौंदर्य से भरपूर वन संपदा तथा प्राकृतिक संसाधनों की भरमार वाले झारखंड राज्य के एक आदिवासी बहुल इलाके में पॉवर प्लांट लगाया जाए। बहुत अच्छी बात है। इसके लिए 295 हैक्टेयर भूमि चाहिए थी और ऐसे इलाके का चयन कर लिया जाता है जहां कोयले का अपार भंडार है जो पॉवर प्लांट के लिए जरूरी है। इसमें वन्य भूमि 141, निजी स्वामित्व वाली 137 और सरकारी 17 हैक्टेयर है और वह भी ज्यादातर जंगल है।

अब यहां शुरू होता है धन और राजनीति के संगम का खेल जिसके चतुर खिलाड़ी वे सब पांसे फैंकते हैं जिससे उनकी विजय सुनिश्चित हो। इनके सामने वे लोग हैं जिन पर प्रकृति की धरोहर को नष्ट न होने देने की जिम्मेदारी है। इनमें आदिवासी, किसान, वन से प्राप्त होने वाली उपज पर निर्भर तथा सीधे–सादे ग्रामीण हैं जिनकी आजीविका का साधन यही वन हैं। लगभग 50 लाख लोग इस क्षेत्र पर निर्भर हैं। इन्हें इस बात का भी पता नहीं है कि सम्मानपूर्वक जीने का अधिकार देश के संविधान ने उन्हें दिया हुआ है। वे अपनी जमीन और जंगल को बचाने के लिए संघर्ष की मुद्रा में आ जाते हैं। किसी भी कीमत पर वे प्रकृति की अनोखी विरासत को न छीन लिए जाने के लिए एकजुट हो जाते हैं। अपनी शक्ति भर कोशिश करते हैं। आंदोलन होते हैं लेकिन तुलसीदास की कही बात कि 'समरथ को नहि दोष गुसाईं' सिद्ध होने लगती है।

इस बीच पड़ोसी देश बंगलादेश से बिजली देने का करार हो जाता है जिसका उत्पादन इस पॉवर प्लांट से किया जाएगा। इधर सरकारी ऋणदाता पॉवर फाइनांस कारपोरेशन और रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन उदार शर्तों पर फंडिंग कर देते हैं। कोयले की खदानों पर कब्जा और उनका दोहन करने के प्रबंध हो जाते हैं। प्लांट के लिए पानी चाहिए तो भू जल यानी अंडरग्राऊंड वाटर निकालने की तैयारी कर ली जाती है। एक ओर जलाशय भरते हैं तो दूसरी ओर जमीन सूखने लगती है। मतलब यह कि कृषि चौपट, स्थानीय आबादी की आमदनी के साधन लुप्त और कुदरत की मार झेलने की मजबूरी का व्यापक प्रभाव पडना निश्चित हो जाता है।

एक आंकड़ा है कि यदि 10 अमीर भारतीय अपनी पूंजी का 10 प्रतिशत शिक्षा पर खर्च करें तो देश के विद्यार्थियों को पच्चीस वर्ष तक प्राइमरी से लेकर उच्च शिक्षा मुफ्त में मिल सकती है। इसी तरह अगर सिर्फ एक प्रतिशत टैक्स उनसे अधिक लिया जाए तो बेरोजगारों और कामगारों की किस्मत बदल सकती है। वास्तविकता यह है कि इन्हीं अमीरों को सभी तरह की छूट, कर्ज से मुक्ति और बैंकों को चूना लगाकर विदेश भाग जाने की सहूलियत बड़े आराम से मिल जाती है। ऐसा नहीं है कि केवल धनाढ्य ही इस सूची में हैं। हमारे धार्मिक नेता भी हैं। स्वामी नित्यानन्द 10 हजार करोड़ के मालिक हैं और देश से भाग कर कैलाश नाम से एक नए हिंदू राष्ट्र की स्थापना करने की कल्पना साकार करने लगे। स्वामी रामदेव, मां अमृतानंदमयी, श्री श्री रविशंकर भी हजारों करोड़ की नैटवर्थ रखते हैं। यह सूची बहुत लंबी है और इसमें आसाराम से लेकर राम रहीम तक शामिल हैं।

यह कैसी सामाजिक व्यवस्था है जो 100–50 करोड़ के अनेक धन कुछ लोगों के लिए खरीदना बाएं हाथ का खेल बना देती है। नाबालिग के हाथ में करोड़ों की कार की चाबी थमा देती है, निर्दोषों की नृशंस हत्याएं करने वाले को मसीहा बनाने पर तुल जाती है, जघन्य अपराध करने वालों को कोई सबूत या गवाह न मिलने पर खुला छोड़ देती है और घोषित आतंकवादी की रिहाई के लिए न्याय व्यवस्था को निरीह बनाने की कोशिश करती दिखाई देती है।

इसके विपरीत देश की तीन चौथाई आबादी अभाव की कड़वी दवाई पीने के लिए विवश है। ऐसा तो निपट पूंजीवादी और पूरी तरह से साम्यवादी देशों में भी देखने को नहीं मिलता। अगर कहीं मिलता है तो हमारे जैसे देश में जहां चाहे अधिनायकवाद न हो या सम्राटों की परंपरा समाप्त हो गई हो अथवा प्रजातांत्रिक देश होने का दंभ घुट्टी में यानी पैदा होते ही पिलाया जाता होय कुछ भी, कभी भी और कहीं भी हो सकता है। यहां सब कुछ मुमकिन है लेकिन सामान्य नागरिक, जैसे कि वह पराधीन हो, उसकी रिहाई या राहत मिलना नामुमकिन है।

जल रही धरती का जिम्मेदार कौन.?

–डॉ. आशीष वशिष्ठ–

आम चुनाव की सातवें आखिरी चरण वोटिंग से एक दिन पहले उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर से दुखद खबर सामने आई। यहां हीट स्ट्रोक से चुनाव ड्यूटी में लगे 12 सहित 20 लोगों की मौत हो गई। वहीं 30 से अधिक लोगों का इलाज मंडलीय अस्पताल समेत अन्य चिकित्सालयों में चल रहा है।

बीते दिनों बिहार के स्कूलों में 300 छात्र अत्यधिक गर्मी से बेहोश हो गए? शिक्षक और पूर्व सांसद तक अचेत हो गए। अंततरू मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सभी स्कूल बंद करने का आदेश देना पड़ा। प्रधानमंत्री मोदी की जनसभा को कवर करता हुआ एक टीवी पत्रकार भी बेहोश हो गया। यह दीगर है कि प्रधानमंत्री ने तुरंत अपनी टीम के लोगों को उसकी मदद करने को कहा।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि जलवायु परिवर्तन और प्रकृति से अनावश्यक छेड़छाड़ और अत्यधिक दोहन के जानलेवा दुष्परिणाम अब साफ तौर पर दिखने लगे हैं। पिछले लगभग एक महीने से देश के एक दर्जन से ज्यादा प्रदेशों चिलचिलाती गर्मी से जनमानस बेहाल है। दिल्ली ही नहीं, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, मुंबई जैसे महानगरों में 'ताप प्रभाव और सूचकांक' पुराने रिकॉर्ड तोड़ रहा है। गर्मी का ऐसा प्रचंड प्रभाव है कि सडकों पर दौड़ रहे वाहनों के टायर पिघल रहे हैं। नतीजतन दुर्घटनाएं हो रही हैं। इस उबलती गर्मी के मानवीय दुष्प्रभाव भी हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, भारतीय शहरों का स्वरूप पिछले कुछ दशकों में काफी बदला है। यहां की हरियाली में दिनों–दिन कमी आ रही है। ध ड़ल्ले से पेड़ काटे जा रहे है। इमारतों की संख्या बढ़ रही है। घरों में एसी का इस्तेमाल बढ़ रहा है। पक्की सड़कों का विस्तार तेजी से हो रहा है। और यही वजह है कि तापमान भी उसी रफ्तार में बढ़ रहा है। ऐसे में शहर को अब श्अर्बन हीट आइलैंडश या फिर 'हीट आइलैंड' कहा जाने लगा है। अगर हवा की गति कम है तो शहरों को अर्बन हीट आइलैंड बनते आसानी से देखा जा सकता है। शहरों में जितनी ज्यादा जनसंख्या होगी, हीट आइलैंड बनने की गुंजाइश उतनी ही ज़्यादा होगी। जब हम शहरों की सीमा पार करते हैं, हमें राहत महसूस होती है। शहरों में बढ़ते निर्माण कार्यों और उसके बदलते स्वरूप के चलते हवा की गति में कमी आई है।

शहरों में बढ़ते तापमान को लोग ग्लोबल वार्मिंग से जोड़ कर देखते हैं। लेकिन इसके लिए सिर्फ वह ही जिम्मेदार नहीं है। अगर हम शहरों का अध्ययन करें तो हमें पता चलता है कि जमीन का बदलता उपयोग भी इसकी बड़ी वजह है। तारकोल की सड़क और कंक्रीट की इमारत ऊष्मा को अपने अंदर सोखती है और उसे दोपहर और रात में छोड़ती है। नए शहरों के तापमान तेजी से बढ़ रहे हैं। पहले से बसे महानगरों की तुलना में ये ज़्यादा तेजी से गर्म हो रहे हैं।

जलवायु परिवर्तन पर बनी संयुक्त राष्ट्र की संस्था आईपीसीसी ने कहा है कि अगर ग्लोबल वार्मिंग को नहीं रोका गया तो इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। संस्थान की ओर से वर्ष 2018 में जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनियाभर के देशों को इस पर तुरंत लगाम लगाने की जरूरत है। अगर ऐसा नहीं होता है तो 2030 तक धरती के कई हिस्से रहने लायक नहीं होंगे। रिपोर्ट कहती है कि अगर तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस भी बढ़ता है तो इससे वंचित और कमजोर आबादी सबसे ज्यादा प्रभावित होगी। उन्हें भोजन की कमी, आमदनी, महंगाई, आजीविका के साधन, स्वास्थ्य और जनसंख्या विस्थापन की समस्याएं झेलनी पड़ सकती हैं।

भारत उन देशों की कतार में खड़ा है जो इससे सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे। देश की आबादी बड़ी है और यहां आर्थिक रूप से असमानता ज्यादा है। रिपोर्ट जिस अस्थिरता की बात कर रही है, अगर वो नहीं रोकी गयी तो भारत पर इसका असर विनाशकारी हो सकता है– न केवल सामाजिक रूप से बल्कि राजनीतिक रूप से भी। अगर ग्लोबल वार्मिंग की वजह से समुद्र का जल स्तर बढ़ता है तो देश के कई हिस्से बर्बाद हो जाएंगे। तटीय क्षेत्रों में रहने वाले और आजीविका के लिए समुद्र पर निर्भर रहने वाले लोग सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अभी देर नहीं हुई है। अगर तापमान को बढ़ने से रोका गया तो संभावित क्षति को कम किया जा सकता है।

रिपोर्ट में एक उपाय सुझाया गया है कि जिन देशों में कार्बन का उत्सर्जन ज़्यादा है, वो इसे कम करने के लिए तकनीक का इस्तेमाल करें। रिपोर्ट का दूसरा महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि अगर लक्ष्यों को हासिल नहीं किया गया तो 2050 तक दुनिया को कार्बन का उत्सर्जन रोकना होगा। भारत ने भी यह तय नहीं किया है कि वह कार्बन उत्सर्जन को रोकने से जुड़े लक्ष्यों को कब तक हासिल करेगा। जबकि चीन ने यह लक्ष्य 2030 तय किया है। भारत अभी 2050 की रणनीति विकसित कर रहा है। देश अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में विकास करने की सोच रहा है लेकिन यह आसान नहीं होगा। बड़े स्तर पर अक्षय ऊर्जा को संग्रहित करने के लिए उपायों की जरूरत होगी, जो बहुत महंगी हो सकती है। उदाहरण के लिए बड़े पैमाने पर बैटरी की जरूरत होगी, लेकिन इनकी कीमतों में तेजी से कमी नहीं आने के कारण लक्ष्य आसान नहीं दिख रहे हैं।

भारत पर पर्यावरण के लिए घातक गैसों को रोकने का दबाव है। यहां पानी की समस्या भी बढ़ रही है, यह उसके लिए चुनौती है। देश सूखे, बाढ़, चक्रवात और दूसरी प्राकृतिक आपदाओं से जूझ रहा है। देश के पास एक बेहतर आपदा प्रबंधन की टीम है, लेकिन इसे और मजबूत करने की जरूरत दिख रही है। भारत ने अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में भी अपना लक्ष्य तय किया है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि ये लक्ष्य हासिल कैसे किए जाएंगे और इस दिशा में अगला कदम क्या होगा।

भारत के सामने दूसरी बड़ी चुनौती है परिवहन तंत्र की। वर्तमान में देश की सड़कों पर बड़ी संख्या में साइकिल और रिक्शे दौड़ रहे हैं। लेकिन जैसे ही लोगों की आमदनी बढ़ती है, वो तुरंत मोटर साइकिल और स्कूटर खरीद लेते हैं। कारों को लेकर क्रेज भी भारतीयों में खूब है। वित्तीय कंपनियां सस्ते कर्ज पर कार खरीद को बढ़ावा दे रही है। इस समस्या के समाधान के लिए भारत को इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना होगा। साथ ही इसे पब्लिक ट्रांसपोर्ट नेटवर्क को दुरुस्त करना होगा। रेल और दूसरे उपायों से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर करने की जरूरत है, लेकिन यह सब कुछ आसान नहीं दिख रहा है। क्योंकि इसे बेहतर करने के लिए तकनीक और पैसे की कितनी जरूरत होगी, यह स्पष्ट नहीं है। सिर्फ लक्ष्य तय किए गए हैं, पर ये हासिल कैसे होंगे, इसकी योजना तैयार नहीं है। सिर्फ भारत ही नहीं दक्षिण एशिया के दूसरे देश भी इन्हीं योजनाओं की कमी से जूझ रहे हैं।

हमें बदलते मौसम के अनुसार अपना खाना–पीना और कपड़े पहनने का तरीका बदलने की जरूरत होती है। ऐसे हादसे इसलिए भी होते हैं क्योंकि हम अपनी जिंदगी में जरूरी बदलाव नहीं करते। राजस्थान में अमूमन तापमान 45 डिग्री सेल्सियस होता है लेकिन लेकिन वहां लोग सिर ढके बिना बाहर नहीं निकलते। वहां पीने का पानी हर जगह मौजूद होता है। वो पानी पीने के बाद ही घर से बाहर निकलते थे। वो लोगों को जबरन पानी पिलाते हैं। उन्होंने गर्मियों के मुताबिक अपनी जीवनशैली में जरूरी बदलाव भी किए हैं। बाकियों को उनसे सीखना चाहिए। अगर उत्तर भारत में आप धूल भरी आंधी के वक्त घर से बाहर निकलते हैं तो निश्चित तौर पर खघ्तरे में होंगे। इसलिए आपको सारी चीजें सोचने–समझने के बाद ही घर से बाहर निकलना चाहिए।

उच्च शिक्षा क्षेत्र की चुनौतियाँ

-डा. अंकित कुमार सूर्यवंशी-

हाल के वर्षों में, भारत में उच्च शिक्षा में शैक्षिक प्रगति के प्रमुख संकेतक के रूप में सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) बढ़ाने पर बहुत जोर दिया गया है। उच्च शिक्षा स्तर पर सकल नामांकन अनुपात या जीईआर को 18–23 आयु वर्ग की जनसंख्या से उच्च शिक्षा में नामांकित लोगों का अनुपात के रूप में परिभाषित किया जाता है। जो कि वास्तव में भारत में बढ़ रहा है। शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रकाशित ऑल इंडिया सर्वे ऑफ हायर एजुकेशन 2021–22 की रिपोर्ट अनुसार, उच्च शिक्षा में भारत के जीईआर में लगातार वृद्धि देखी गई है, जो 28.4 प्रतिशत के स्तर तक पहुंच गया है। इस सर्वे के प्रारम्भ वर्ष 2010–11 में यह आंकड़ा मात्र 19.4 प्रतिशत की दर पर था, यानि उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात की वृद्धि को अभूतपूर्व कहा जा सकता है। हालाँकि वर्तमान में भारत चीन, अमेरिका, या जापान जैसे देशों से बहुत पीछे जहाँ यह संकेतक क्रमशः 60.2, 84.8 एवं 62.1 प्रतिशत के स्तर पर है।

सतही तौर पर, यह देश भर में उच्च शिक्षा के अवसरों तक पहुंच के विस्तार का एक सकारात्मक संकेत प्रतीत होता है। इस संकेतक की अपनी खूबियाँ हैं, किन्तु केवल सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) पर निर्भर रहने से उच्च शिक्षा प्रणाली के भीतर गहरी समस्याओं और सीमाओं को स्पष्ट रूप से नहीं देखा जा सकता। भारत जैसे देश में यह समझाना आवश्यक है कि क्यों केवल जीईआर पर विशेष ध्यान केन्द्रित करना उच्च शिक्षा के सामने आने वाली चुनौतियों और बारीकियों की व्यापक समझ प्रदान नहीं कर सकता।

इसे इस तरह समझा जा सकता है कि पढने वालों की संख्या तो बढ़ रही है, किन्तु शिक्षा की गुणवत्ता एक महत्वपूर्ण चिंता बनी हुई है। भारत में कई उच्च शिक्षा संस्थान पुराने पाठ्यक्रम, अपर्याप्त बुनियादी ढांचे, योग्य शिक्षकों की कमी, सीमित संसाधन और अनुसंधान अवसरों से संबंधित चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इन गुणवत्ता संबंधी मुद्दों को संबोधित किए बिना केवल नामांकन संख्या बढ़ाना उच्च शिक्षा के मूल्य और प्रभाव को कमजोर करता है।

उच्च शिक्षा तक पहुंच में सुधार के बावजूद, विभिन्न जनसांख्यिकीय समूहों और क्षेत्रों में उच्च शिक्षा भागीदारी दरों में असमानताएं बनी हुई हैं। महिलाओं, ग्रामीण आबादी और आर्थिक रूप से वंचित समूहों सहित हाशिए पर रहने वाले समुदायों को उच्च शिक्षा तक पहुंचने और उसे पूरा करने में बाधाओं का सामना करना पड़ता है।

उच्च शिक्षा और व्यवसाय और समाज की मांगों के बीच तालमेल एक और महत्वपूर्ण कारक है जिसे जीईआर अक्सर नजरअंदाज कर देता है। तमाम चर्चाओं के बावजूद भी भारतीय विद्यार्थी में रोजगार परक कौशल का विकास एक दृढ चुनौती बना हुआ हैद्य भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली को व्यावहारिक कौशल पर सैद्धांतिक ज्ञान पर जोर देने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ता है, जिससे स्नातक रोजगार योग्यता और नौकरी बाजार में प्रासंगिकता के बारे में चिंताएं पैदा होती हैं। जीईआर पर अत्यधिक केन्द्रीयकरण छात्रों को कार्यबल के लिए तैयार करने और नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने में उच्च शिक्षा की प्रभावशीलता को ध्यान में रखने में विफल रहता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार की ओर एक सकारात्मक कदम है किन्तु अधिकतर ध्यान केवल उच्च शिक्षा के प्रशासनिक बदलावों पर है। यह कौशल विकास एवं शिक्षा के डिजीटाईजेशन पर ध्यान केन्द्रित करने के प्रावधानों की बात करती हैद्य किन्तु इसे व्यवहार में लाने हेतु पर्याप्त आधारभूत संरचना का विकास, योग्य शिक्षकों नियुक्ति एवं उनकी ट्रेनिंग की एक बड़ी चनौती है।

जीईआर नामांकन दर को मापता है, किन्तु ड्रॉपआउट दर या छात्रों की उच्च शिक्षा की डिग्री पूरी करने की दृढ़ता को शामिल नहीं करता है। यदि राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान की रिपोर्ट देखी जाए तो भारत में उच्च शिक्षा की ड्रॉपआउट दर 25 प्रतिशत के पास है, यानि कॉलेजों में दाखिला लेने वाले हर 4 विद्यार्थियों में से 1 अपनी डिग्री पूर्ण नहीं कर पातेद्य उच्च शिक्षा संस्थानों में पढाई छोड़ने की दर एक बड़ी चुनौती बनी हुई है, जिसमें वित्तीय बाधाएँ, शैक्षणिक कठिनाइयाँ और सहायता सेवाओं की कमी जैसे विभिन्न कारक छात्रों की पढ़ाई छोड़ने का कारण बन रहे हैं। इन मुद्दों को समझने और संबोधित करने के लिए जीईआर से परे एक अधिक सूक्ष्म दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

इसे इस तरह समझा जा सकता है कि पढने वालों की संख्या तो बढ़ रही है, किन्तु शिक्षा की गुणवत्ता एक महत्वपूर्ण चिंता बनी हुई है। भारत में कई उच्च शिक्षा संस्थान पुराने पाठ्यक्रम, अपर्याप्त बुनियादी ढांचे, योग्य शिक्षकों की कमी, सीमित संसाधन और अनुसंधान अवसरों से संबंधित चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इन गुणवत्ता संबंधी मुद्दों को संबोधित किए बिना केवल नामांकन संख्या बढ़ाना उच्च शिक्षा के मूल्य और प्रभाव को कमजोर करता है।

निष्कर्ष– जबकि सकल नामांकन अनुपात उच्च शिक्षा पहुंच के एक महत्वपूर्ण संकेतक के रूप में कार्य करता है, इसे अलग करके नहीं देखा जाना चाहिए। भारत में उच्च शिक्षा की प्रभावशीलता और प्रभाव को सही मायने में मापने के लिए, नीति निर्माताओं, शिक्षकों और हितधारकों को संकेतकों के व्यापक सेट पर विचार करना चाहिए जिसमें गुणवत्ता, समानता, प्रासंगिकता और छात्र परिणाम शामिल हों। उच्च शिक्षा के मूल्यांकन के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाकर, भारत एक अधिक समावेशी, न्यायसंगत और उत्तरदायी उच्च शिक्षा प्रणाली के निर्माण की दिशा में प्रयास कर सकता है जो इसकी आबादी की विविध आवश्यकताओं को पूरा करती है।

प्राकृतिक खेती की राह

–अखिलेश आर्येन्दु–

जैव विविधता को नष्ट करने में जहरीले रसायनों का हाथ प्रमुख है। इसी तरह मिट्टी की गुणवत्ता और वातावरण की सात्विकता का नाश भी कीटनाशकों से हो रहा है। इसलिए भारत में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें किसानों को प्रोत्साहित करने के साथ–साथ उन्हें कई सहूलियत भी दे रही हैं। लेकिन प्राकृतिक खेती के उत्पाद महंगे होने की वजह से इनकी बिक्री बहुत कम होती है। सरकारों को इस तरफ गौर करना चाहिए। इससे जहां इन रसायनों के इस्तेमाल पर रोक लगाने में मदद मिल सकती है, वहीं जानवरों और पक्षियों को बीमारियों से बचाकर जैव विविधता को बचाने में मदद मिल सकती है।

जैविक खेती के उत्पादों को छोड़ दिया जाये तो भी पीने और खाने की हर वस्तु में कीटनाशक मिलाए जाते हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक देश का पर्यावरण कीटनाशकों के इस्तेमाल से जहरीला ही नहीं हो गया है बल्कि हमारा पीने वाला पानी और भोजन भी जहरीला हो गया है। इससे शारीरिक, मानसिक बीमारियां और अपंगता की समस्याएं भी लगातार बढ़ती रहती हैं। एम्स के फार्माकोलॉजी विभाग के अध्ययन के अनुसार, घरों में मच्छरों और काकरोचों को मारने के लिए छिड़के जाने वाले कीटनाशकों का 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों पर असर बहुत गहरे तक पड़ता है।

बिडम्बना यह कि शिक्षित घरों में भी इसके प्रति कोई खास जागरूकता नहीं है। घरों में महंगे चमकीले सेब, केले, आम, बैंगन, भिंडी, लौकी जैसी इस्तेमाल होने वाली सब्जियों में कीटनाशकों का इस्तेमाल, एक नहीं दो–तीन स्तरीय होने लगा है। खेत में जहां इनका उपयोग फसल की वृद्धि के लिए करते हैं, वहीं फसलों के रोगों से बचाव के लिए भी किया जाता है। वहीं चमकदार बनाने के लिए फोलिडज नामक रसायन में इन्हें डुबोया जाता है। इन तीन स्तरों पर कीटनाशकों और रसायनों के इस्तेमाल से जीवन, पर्यावरण, जैव विविधता और कृषि की जमीन पर कितना असर पड़ता होगा?

एक आंकड़े के मुताबिक, 2013–14 में देश के करीब 90 लाख हेक्टेयर जमीन में कीटनाशकों को छिड़काव के लिए इस्तेमाल किया, जो उपयोग बढ़कर 2017–18 में 94 लाख से अधिक हेक्टेयर तक में हो गया। इसके अलावा बागवानी और औषधीय खेती में भी कीटनाशकों का इस्तेमाल बढ़ता जा रहा है जिससे कोई भी फल और जड़ी–बूटी जहरीले रसायनों से सुरक्षित नहीं रह गयी है। ऐसा लगता है जैसे यह मान लिया गया हो कि बगैर जहरीले रसायनों के इस्तेमाल के फसल, विविध उत्पाद और भोजन को खराब होने से बचाया ही नहीं जा सकता है।

मसलन, कई राज्यों में टमाटर की अनेक किस्मों की फसलें उगाई जाती हैं। इनमें रश्मि और रूपाली प्रमुख हैं। हेल्योशिस आर्मिजरा नामक कीड़ा इन्हें बहुत नुकसान पहुंचाता है। इस कीड़े की रोकथाम के लिए इसमें रेपलीन, चौलेंजर, रोगर हाल्ट का छिड़काव कई चरणों में किया जाता है। नये वैज्ञानिक शोधों से यह भी पता चला है कि कीटनाशकों के इस्तेमाल से खाद्यान्नों, फलों में पाए जाने वाले महत्वपूर्ण तत्वों पर भी असर पड़ रहा है। इनकी गुणवत्ता में कमी आ रही है। नई–नई बीमारियों का जहां जन्म हो रहा है, वहीं पर इंसान असमय बूढ़ा हो रहा है।

भोजन के अलावा पानी को शुद्ध करने के नाम पर भी रसायनों का इस्तेमाल धड़ल्ले से हो रहा है। देश के कई शहरों में पीने के पानी में डीडीटी और बीएसजी की मात्रा पाई जाती है। महाराष्ट्र के बोतलबंद दूध के 70 नमूनों में डीडीटी और एल्ड्रिन की मात्रा 4.8 से 6.3 भाग प्रति दस लाख तक पाई जाती है।

संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटकता मिला नव विवाहिता का शव

संवाददाता–बलरामपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र में एक नव विवाहिता ने छत के कुंडे में साड़ी के फंदे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना स्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच कर रही है। मामला महराजगंज तराई स्थित मध्यनगर के मजरा मिर्जापुर में शनिवार अपरान्ह एक बजे हुई है। महराजगंज थाना अंतर्गत मध्यनगर के मिर्जापुर में बंद कमरे के अंदर नव विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। थाना देहात कोतवाली के ग्राम घूघुलपुर निवासी लड्डन ने बताया है कि उनकी पुत्री चमेली की शादी 28 अप्रैल 2024 को हिंदू रीत रिवाज के साथ मध्यनगर के मजरा मिर्जापुर में सनी के साथ किया था। बताया कि शनिवार दोपहर एक बजे दमाद सनी ने फोन पर सूचना दी कि चमेली की मौत हो गई है। ससुरालीजनों ने बताया कि सुबह खाना खाने के बाद चमेली कमरे में चली गई और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। काफी देर बाद जब वह बाहर नहीं निकली तो सनी ने दरवाजा खटखटाया। जबाब न मिलने पर दरवाजा तोड़ दिया गया। और देखा कि छत के कुंडे में साड़ी के फंदे से उसका शव लटक रहा था। पिता लड्डन ने बेटी के मौत की सूचना स्थानीय थाने में दी। थाना प्रभारी निरीक्षक गिरिजेश तिवारी ने बताया है कि पिता लड्डन की तहरीर पर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। रिपोर्ट आने पर कार्रवाई की जाएगी।

सोमवार को भी न्यायिक कार्य से विरत रहेंगे अधिवक्ता

संवाददाता–बलरामपुर। नवीन दीवानी परिसर में दो थानों के क्षेत्राधिकार को जिला मुख्यालय भेजे जाने पर बार संघ की बैठक हुई। जिसमें बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला बार संघ अध्यक्ष मुकेश कुमार सिंह ने कहा कि थाना श्रीदत्तगंज और रेहरा बाजार का क्षेत्राधिकार बलरामपुर को दिया जाए। मुख्यालय की अपर सिविल जज जूनियर डिवीजन न्यायालय को उतरौला से वापस भेजा जाय।

अपनी मांगो के समर्थन में अधिवक्ताओं ने शनिवार को न्यायिक कार्य किया। सोमवार को भी अधिवक्ताओं ने मांगो के समर्थन में न्यायिक कार्य से विरत रहने का निर्णय लिया है। इस दौरान कलेक्ट्रेट बार संघ अध्यक्ष राम गोपाल पाण्डेय, महामंत्री अशोक कुमार मिश्र, जिला बार एसोसिएशन महामंत्री संजय तिवारी, युवा बार संघ अध्यक्ष अनिल कुमार शुक्ला, राजकुमार श्रीवास्तव, गोमती प्रसाद त्रिपाठी, गुलाम नबी, गायस अहमद, सत्यदेव तिवारी, जमील अहमद, शशि प्रकाश मिश्र, अजय बहादुर सिंह, रामबली मिश्र, लालजी, अमित कुमार पाण्डेय, मोनू सिंह व राजेश त्रिपाठी सहित तमाम अधिवक्ता मौजूद रहे।

एसपी ने यातायात कार्यालय को चेक किया

संवाददाता–श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने शनिवार को पुलिस लाइन स्थित यातायात कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने यातायात व्यवस्था से संबंधित उपकरणों का भौतिक सत्यापन किया तथा उनके रखरखाव के लिए जरूरी निर्देश दिया। ट्रैफिक कमांड सेंटर में पहुंचकर चिल्हरिया मोड़, मल्हीपुर चौराहा, लक्ष्मननगर तिराहा, तिलकपुर मोड़, जगतजीत इण्टर कालेज तिराहा, दुबे दुनक्का तिराहा आदि सीसीटीवी कैमरे की लाइव स्ट्रीमिंग देखा। एसपी ने बताया कि कमांड सेंटर की अत्याधुनिक तकनीक का फायदा पुलिस, प्रशासन को मिलेगा। हाईटेक कैमरे, विभिन्न एंगल में लगाए हैं। अपराधियों के भागने, मैसेज भेजने की त्वरित प्रणाली, आला अधिकारियों और थानों में तैनात स्टाफ के बीच तालमेल रखने में आसानी होगी। बेहतर जन सुरक्षा के साथ अपराध की पड़ताल करना, सबूत जुटाना, आपात स्थिति में पुलिस, एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड की तुरंत पहुंच, अपराध नियंत्रण, यातायात समस्याओं का समाधान, कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने में उपयोग होगा।

पुलिस अधीक्षक ने किया सोनवा थाने का निरीक्षण

संवाददाता–श्रावस्ती। एसपी ने सोनवा थाने का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना कार्यालय में अभिलेखों की जांच की। साथ ही मातहतों को जरूरी निर्देश दिया। पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया शनिवार को निरीक्षण करने थाना सोनवा पहुंच गए। इस दौरान निरीक्षक राम नवल यादव ड्यूटी पर मौजूद मिले। पुलिस अधीक्षक ने निरीक्षण के दौरान महिला हेल्प डेस्क पर पहुंच कर वहां मौजूद महिला आरक्षी प्रिया से दैनिक कार्यों की जानकारी ली और कुशलक्षेम जाना तथा प्राप्त शिकायतों के बारे में भी पूंछताछ की। इसके साथ ही एसपी ने थाना कार्यालय पहुंच कर कार्यालेख पर मौजूद आरक्षी विश्वदीपक सीसीटीएनएस पर आरक्षी राजदेव से कुशलक्षेम जानते हुए कार्यों के बारे में जानकारी ली। थाने के अभिलेखों को चेक किया तथा रखरखाव के लिए जरूरी निर्देश दिया। एसपी ने सभी विवेचकों को शत प्रतिशत विवेचनाओं व जांच को अतिशीघ्र निस्तारित करने को निर्देशित किया। भ्रमण के दौरान थाना पर निर्माणाधीन कार्य व भोजनालय का जायजा लिया। मेस मैनेजर को साफ सफाई रखने का निर्देश दिए। साथ ही थाने में नियुक्त पुलिसकर्मियों की उपस्थिति के बारे में भी जानकारी ली व ड्यूटीरत कर्मचारियों को चेक किया।

साइबर ठगी के पीड़ित को लौटाई 25 हजार की रकम

संवाददाता–गोण्डा। साइबर सेल ने धोखाधड़ी के शिकार व्यक्ति के खाते में 25 हजार रुपए लौटा दिए है। पीड़ित से बीते दिनों ऑनलाइन ठगी हुई थी। ठगों को ओटीपी शेयर करते ही पैसे ट्रांसफर हुए थे। पुलिस ने बताया भोलेनाथ निवासी पथवालिया पोर्टरगंज थाना कोतवाली नगर द्वारा सूचना दिया की फ्रॉड काल के माध्यम से ओटीपी शेयर करने पर रूपये फ्रॉड कर ट्रांसफर करा लिया गया है। जिस पर साइबर हेल्प डेस्क पर नियुक्त कर्मियों द्वारा साइबर सेल और सम्बंधित बैंक से संपर्क स्थापित कर तत्काल कार्यवाही करते आवेदक के 25,000 रूपये की धनराशि वापस करायी गयी। पीड़ित द्वारा अपने रूपये वापस पाकर प्रसन्नता जाहिर करते हुए पुलिस को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

केजीबीवी में तीन बार लगेगी हाजिरी, आनलाइन दर्ज होगा ब्यौरा

संवाददाता–बलरामपुर। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में अब एक दिन में तीन बार हाजिरी लगाना अनिवार्य हो गया है। साथ ही हर दिन आनलाइन उपस्थिति का ब्योरा भी प्रेरणा पोर्टल पर अपलोड करना होगा। मोबाइल पर चेहरा दिखाने अर्थात फेस डिटेक्शन सिस्टम से ही उपस्थिति दर्ज होगी।

जिले में 10 कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय संचालित हैं। इनमें अब छात्राओं के साथ–साथ शिक्षिकाओं एवं स्टॉफ को एक दिन में तीन बार उपस्थिति दर्ज कराना अनिवार्य होगा। साथ ही ऑनलाइन उपस्थिति का ब्योरा भी प्रेरणा पोर्टल पर अपलोड करना होगा। विद्यालयों में छात्राओं, शिक्षिकाओं एवं स्टॉफ के अनुपस्थित रहने की शिकायतें लगातार मिलने के बाद यह सख्ती की जा रही है। मोबाइल पर चेहरा दिखाकर यानी फेस डिटेक्शन सिस्टम के माध्यम से भी उपस्थिति दर्ज होगी। दर्ज उपस्थिति के अनुसार ही शिक्षिकाओं एवं स्टॉफ के मानदेय का भुगतान किया जाएगा। जिला समन्वयक बालिका शिक्षा मोहित देव ने बताया कि अनुपस्थित शिक्षिकाओं और स्टॉफ का मानदेय काटा जाए। हॉस्टल की सुविधा के बावजूद छात्राएं अनुपस्थित हो रही हैं तो इसकी पूछताछ अभिभावकों से की जाए साथ ही यहां मिलने वाली सुविधाओं के बारे में भी फीडबैक लिया जाएगा। इस सम्बन्ध में बीएसए कल्पना देवी ने बताया कि ऑनलाइन उपस्थिति में किसी भी तरह की लापरवाही न करने का निर्देश दिया गया है।

चार पहिया वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल, गंभीर

संवाददाता–श्रावस्ती। भिनगा से घर लौट रहे एक बाइक सवार युवक को भिनगा जंगल में तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने टक्कर मार दी। जिसमें बाइक सवार युवक गंभीररूप से घायल हो गया। एम्बुलेंस से घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां से उसे जिला अस्पताल बहराइच रेफर कर दिया गया। सिरसिया थाना क्षेत्र के लालपुर गांव निवासी दुर्गा प्रसाद मिश्र (28) पुत्र बंशीधर पाठक शनिवार सुबह जरूरी काम से बाइक से भिनगा गया था। काम निपटाने के बाद वह भिनगा से घर लौट रहा था। अंटा तिराहे से राजपुर मोड़ मार्ग पर भिनगा जंगल में तेंदुवा रौतारा स्थित वन चौकी के पास पहुंचते ही सामने से तेज रफ्तार में आ रही चार पहिया वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में दुर्गा प्रसाद गंभीररूप से घायल हो गया। काफी देर तक वह घटनास्थल पर पड़ा रहा। इस दौरान मौके से निकल रहे राहगीरों की नजर पड़ी तो वह रुक गए और पहचान कर परिजनों व एम्बुलेंस को फोन कर सूचित किया। मौके पर पहुंचे परिजनों ने एम्बुलेंस से घायल को जिला अस्पताल भिनगा में भर्ती कराया। जहां हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद घायल को जिला अस्पताल बहराइच के लिए रेफर कर दिया गया। युवक की हालत गंभीर बनी हुई है।

खड़ी बस में जा घुसी बोलेरो ,चालक सहित चार घायल

संवाददाता–गोण्डा। थाना धानेपुर क्षेत्र के गोंडा उतरौला मार्ग पर खड़ी बस में एक बोलेरो पीछे से जा टकराई । इस घटना में चालक सहित चार लोग घायल हो गए , बोलेरो में बैठे लोगों में चीख पुकार मच गई । घटना स्थल पर बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा होने लगे, जिससे घबराकर बस चालक गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बोलेरो और बस को अपने कब्जे में ले लिया। घायलों को स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुजेहना पहुंचाया गया, जहां से चिकित्सकों ने बोलेरो चालक को ज्यादा घायल देखकर जिला मुख्यालय के लिए रेफर कर दिया है।

गोंडा उतरौला मार्ग पर स्थित किसान सेवा केंद्र पेट्रोल पम्प के पास गोंडा की ओर से आ रही डबल डेकर बस के सामने का शीशा एकाएक टूट कर गिर गया ; जिससे बस चालक ने ब्रेक लगाई और पीछे से आ रही बोलेरो बस में आकर भिड़ गई। बोलेरो में लगभग दस लोग सवार थे। गाड़ी लड़ते ही लोगों में चीख पुकार मच गई । घटना की सूचना थानाध्यक्ष को दी गई । उन्होंने तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर बस और बोलेरो को अपने कब्जे में लेकर घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुजेहना पहुंचाया। बोलेरो चालक सरदार निवासी महदैया थाना रेहरा बाजार जिला बलरामपुर ने बताया कि महदैया के बनगवां से कुछ लोगों को लेकर खोरहंसा के पास एक अंत्येष्टि में गया था । वापस लौटते समय यह हादसा हो गया था। थानाध्यक्ष वेद प्रकाश शुक्ल ने बताया कि दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया गया है । बोलेरो चालक को चिकित्सकों ने जिला मुख्यालय के लिए रेफर कर दिया है। शेष को मामूली चोटें आने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद छोड़ दिया है । अभी किसी और से कोई शिकायत नहीं मिली है । शिकायत मिलेगी तो आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

नव नियुक्त कमिश्नर शशिभूषण ने संभाला कार्यभार

संवाददाता–गोण्डा। जिले में शनिवार को मंडल मुख्यालय पर स्थित मंडलायुक्त कार्यालय पहुंचकर वरिष्ठ आईएएस अधिकारी शशि भूषण लाल सुशील ने देवीपाटन मंडल के कमिश्नर पद का कार्यभार संभाल लिया । 24 मई से आयुक्त रहे योगेश्वर राम मिश्र के सेवानिवृत्त होने के बाद शुक्रवार देर शाम शासन ने शशिभूषण लाल सुशील को जिम्मेदारी दी है। योगेश्वर राम मिश्रा की गिनती ईमानदारी और तेज तर्रार अफसरों में की जाती रही है। उनके कार्यों को लेकर वकीलों में एक आस रही है। उनके कार्यकाल के दौरान जनता की समस्याओं को सुनने के लिए दस बजे से ही कार्यालय में चहल पहल नजर आती रही है। उनके रिटायर होने के बाद उनकी जगह पर आए शशिभूषण लाल सुशील वर्ष 2001 बैच के आईएएस अधिकारी हैं और वर्तमान में वह दुग्ध आयुक्त के पद पर तैनात थे। सहारनपुर जिले में एक जुलाई 1973 में जन्मे शशिभूषण गाजियाबाद, बुलंदशहर, एटा व संभल के डीएम भी रह चुके हैं। वर्ष 2012 में बेसिक शिक्षा विभाग के विशेष सचिव के बाद तकनीकी शिक्षा, डेयरी सचिव रहे हैं।

ब्लाक मुख्यालय के मुख्य मार्ग की दशा खराब

संवाददाता–श्रावस्ती। जिस विकास खंड कार्यालय में बैठ कर क्षेत्र के विकास का खाका तैयार किया जाता है। उस ब्लाक कार्यालय को पहुंचने वाला मार्ग अपनी दशा पर आंसू बहा रहा है। इसके बावजूद जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे हैं। जमुनहा ब्लाक मुख्यालय कार्यालय व वीरगंज बाजार को जाने वाला मुख्य मार्ग पूरी तरह से जर्जर हो चुका है।

इस सड़क पर जगह–जगह गहरे गढ़ढे बन गए हैं। जिस पर चलने वाले वाहनों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इस मार्ग पर थोड़ी–थोड़ी दूरी पर बड़े–बड़े गढ़ढे हो गए हैं। बारिश के दौरान गड्ढे पानी से भर जाते हैं। तब गड्ढे में फंसकर बाइक सवार व साइकिल सवार गिरकर हादसे का शिकार हो जाते हैं।

वहीं मार्ग पर भी जलभराव व कीचड़ की स्थिति बन जाती है। प्रतिदिन जरूरी काम से क्षेत्र के सैकड़ों लोगों का ब्लाक कार्यालय आना जाना रहता होता है। लेकिन जिम्मेदार मरम्मत कराने की जहमत नहीं उठा रहे। ऐसा नहीं है कि अधिकारी इससे अनजान हैं बल्कि आते जाते अधिकारियों की नजर रास्ते पर पड़ती है। लेकिन शायद वह इस ओर ध्यान देना जरूरी नहीं समझते।

सड़क हादसा, फ्लाइंग स्क्वायड प्रभारी व दरोगा समेत तीन घायल

संवाददाता–देवरिया। ड्यूटी से वापस लौट रही फ्लाइंग स्क्वायड टीम सड़क हादसे का शिकार हो गई। हादसे में फ्लाइंग स्क्वायड टीम के प्रभारी समय तीन लोग घायल हो गए। घायलों को मेडिकल कॉलेज देवरिया भर्ती कराया गया। जहां हालत गंभीर देख स्क्वायड टीम प्रभारी को मेडिकल कॉलेज गोरखपुर के लिए रेफर कर दिया गया। रामपुर कारखाना के खंड शिक्षा अधिकारी उपेंद्र कुमार भारती को लोकसभा चुनाव के लिए रात्रि कालीन फ्लाइंग स्क्वायड टीम का प्रभारी नियुक्त किया गया था। अपनी टीम के साथ शनिवार की तड़के वह वापस जिला मुख्यालय लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि उनके वाहन के आगे चल रहे ट्रक चालक ने अचानक पावर ब्रेक लगाकर वाहन रोक दिया। पीछे चल रहे फ्लाइंग स्क्वायड टीम के चालक ने अपना बोलेरो वाहन रोकने की पूरी कोशिश की। लेकिन ट्रक के अचानक रुकने से बोलेरो पीछे से ट्रक से जा भिड़ी। हादसे में बोलेरो चालक जीवन और खंड शिक्षा अधिकारी उपेंद्र कुमार भारती समेत तीन लोग घायल हो गए। मौके पर पहुंचे राहगीरों और पुलिसकर्मियों ने घायलों को महर्षि देवरहवा बाबा मेडिकल कॉलेज देवरिया भर्ती कराया। जहां खंड शिक्षा अधिकारी की हालत गंभीर देख मेडिकल कॉलेज गोरखपुर के लिए रेफर कर दिया गया। जबकि चालक और दरोगा का इलाज यही चल रहा है। फ्लाइंग स्क्वायड प्रभारी के हाथ और सर में गंभीर चोट आई है। चिकित्सकों ने उनकी हालत खतरे से बाहर बताई है।

गन्ना पर्यवेक्षक को दी गई श्रद्धांजलि

संवाददाता–बलरामपुर। सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाले गन्ना पर्यवेक्षक को विभागीय अधिकारी व कर्मियों ने श्रद्धांजलि दी है। विगत दिनों जिले में गन्ना पर्यवेक्षक के पद पर तैनात सुनीत चौधरी की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। गन्ना पर्यवेक्षक संघ कार्यालय में शोकसभा का आयोजन कर दिवंगत गन्ना पर्यवेक्षक को श्रद्धांजलि दी गई। श्रद्धांजलि देने वालों में उप गन्ना आयुक्त डॉ आरपी राम, संघ के महामंत्री अमित सिंह वैस, सुनील कुमार सिंह, शेष कुमार दुबे, ओम प्रकाश सिंह, केसी चौधरी, रवि शुक्ल सहित कई अन्य लोग शामिल थे।

परमात्मा के मार्ग पर चलने वाला 84 लाख योनियों से मुक्त हो जाता है

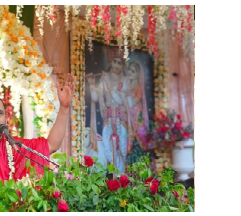

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या । सहज नाथ सेवा समिति दौसा राजस्थान से पधारे हुए भक्तों द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय श्रीमद भागवत कथा के सातवें दिन व्यास पीठ पर विराजित अनंत श्री विभूषित जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्री धराचार्य जी महाराज भागवत कथा का विस्तार करते हुए कहते हैं मां भगवती जगतजननी लक्ष्मी स्वरूपा रुकमणी जी के द्वारिका आ जाने पर द्वारिका नगरी की शोभा और बढ़ जाती है प्रभु श्री कृष्ण द्वारिका में अनेकों लीलाएं करते हैं भगवान के बचपन का मित्र सुदामा अपनी पत्नी सुशीला के बार बार कहने पर प्रभु श्री कृष्ण द्वारिकाधीश से मिलने के लिए जाते हैं सुदामा के आगमन की सूचना पाकर द्वारिका श्री कृष्ण नंगे पैरों भागकर द्वार पर आकर बचपन के मित्र सुदामा को अपने हृदय से लगा लेते हैं सुदामा चरित्र से प्रेरणा मिलती है प्रभु चरणों में जब भी जीव जाए सुदामा जी की तरह बिना फल प्राप्ति की इच्छा के जाए दीनबंधु दयासिंधु भगवान शरणागत जीव को अपना लेते हैं भगवान की कृपा जिस भक्त पर हो जाए वह भक्त संसार के सभी भौतिक सुखों को प्राप्त कर प्रभु धाम की प्राप्ति करता है सुखदेव जी महाराज राजेंद्र परीक्षित से कहते हैं हे राजन् मैंने तुम्हें 7 दिन तक कथा श्रवण कराई आज कथा का सप्तम दिवस है तक्षक आ रहा होगा तुम्हारी मृत्यु होगी कि नहीं होगी परीक्षित जी महाराज गुरुदेव के चरणों में प्रणाम करते हुए कहते हैं प्रभु आप जैसे उत्तम वक्ता के द्वारा मैंने भागवत रूपी अमृत का पान किया है तो मेरी मृत्यु क्यों होगी स्थूल शरीर पंचभौतिक तत्वों से मिलकर बना है उसी में विलीन हो जाएगा हे गुरुदेव आपने मुझ पर बहुत बड़ी कृपा की है भागवत कथा के रसास्वादन को करके जो जीव भक्ति ज्ञान वैराग्य में होकर परमात्मा के मार्ग को अपना लेते हैं उन्हें इन 84 लाख योनियों में नहीं भटकना पड़ता परमपिता परमात्मा अपने चरणो में उन्हें स्थान देते हैं भागवत कथा के सभी चरित्र प्रेरणास्पद है हमें भागवत कथा को सुनकर भक्ति मार्ग को अपनाना चाहिए देश के विभिन्न प्रांतो से पधारे हुए सभी भक्तजन कथा को सुनकर आनंदित हो रहे।

परिचित युवक ने ईंट से कूचकर की किशोरी की हत्या

संवाददाता–महराजगंज। थानाक्षेत्र के एक गांव में सत्रह वर्षीय किशोरी की हत्या का पर्दाफाश पनियरा पुलिस चौबीस घंटे के अंदर कर दिया है। पुलिस के मुताबिक गांव के ही बीस वर्षीय एक युवक ने कहासुनी के बाद ईंट से कूच कर हत्या किया था। पनियरा पुलिस आरोपित को गिरफ्तार करके कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। प्रभारी निरीक्षक निर्भय कुमार सिंह ने बताया कि हत्या के बाद किशोरी के मोबाइल फोन की कॉल डिटेल खंगाली गई। जिसमें कई महत्वपूर्ण सुराग मिले। किशोरी के मोबाइल फोन पर कई लोगों से बातचीत का रिकार्ड मिला। इसमें से एक कॉल कई बार आई थी। शक के आधार पर कॉल करने वाले को पकड़ पूछताछ की गई। पुलिस के मुताबिक किशोरी का गांव के ही राम आशीष नाम के युवक के साथ प्रेम संबंध था। घटना की रात राम आशीष करीब दो बजे किशोरी के मैसेज करने पर उससे मिलने पहुंचा। उस समय किशोरी के निर्माणाधीन मकान में मिट्टी गिराई जा रही थी। बातचीत के दौरान दोनों में कहासुनी शुरू हो गई। राम आशीष इस बात को लेकर गुस्सा था कि किशोरी उसकी गोपनीय बातें दूसरे लोगों को बता देती थी। इससे नाराज राम आशीष ने किशोरी को थपड़ मार दिया। इस पर किशोरी भी उससे भिड़ गई। इसके बाद राम आशीष ने पास में पड़े ईंट से किशोरी के सिर पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के पर्दाफाश में प्रभारी निरीक्षक के साथ उपनिरीक्षक राजकुमार सिंह, हेड कांस्टेबल प्रदीप सिंह, रणजीत कुमार सिंह कांस्टेबल सुग्रीव वर्मा की टीम की अहम भूमिका रही।

आसमान से बरस रही आग का सिलसिला नहीं हो रहा कम

संवाददाता–बलरामपुर। जिले में आसमान से आग बरसने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। चिलचिलाती धूप व लू के थपेड़ों से आम जनजीवन अस्त–व्यस्त हो गया है। हॉलांकि शुक्रवार को जिले का पारा 43 डिग्री रिकार्ड किया गया था, लेकिन शनिवार को एक बार फिर तापमान में एक डिग्री का इजाफा देखने को मिला। दोपहर दो बजे जिले का पारा 43 डिग्री सेल्सियस रहा। दोपहर तीन बजते–बजते यह पारा बढ़कर 44 पहुंच गया।

शाम छह बजे जिले का तापमान एक डिग्री कम होकर फिर से 43 पर आ गया। सूर्यास्त के बाद शाम सात बजे पारा एक डिग्री और नीचे आया, लेकिन उमस भरी गर्मी से लोगों को राहत नहीं मिल सकी। रात में पारा 31 डिग्री सेल्सियस पर आकर ठहर गया। पूरी रात उमस भरी गर्मी से लोग पसीने से तर रहे। जिले में दिनों दिन बढ़ते पारे से लोगों का घरों से निकलना मुहाल हो गया है। पूरे दिन घर के अंदर आसमान से लपटें आती रहती हैं। तेज धूप और लू के थपेड़ों की मार से लोग व्याकुल हैं। शनिवार को दिन में नौ बजे के बाद से ही सूर्यदेव ने अपना प्रचंड रूप दिखाना शुरू कर दिया। 11 बजते–बजते सड़कों पर सन्नाटा पसर गया। जिले में सूरज की तपिश दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही। बढ़ते तापमान से न सिर्फ लोग बल्कि पशु पक्षियों पर भी काफी बुरा प्रभाव पड़ रहा है। बदन को झुलसा देने वाली धूप से मानव सहित जीव जन्तु भी बेहाल हैं। शनिवार को जिला 44 डिग्री सेल्सियस के साथ धधकता रहा। जिन्हें बहुत जरूरी काम था वे ही घरों से बाहर निकले वह भी पूरी तरह गर्मी से बचाव के साधन के साथ। बाकी लोग घरों में ही कैद रहना उचित समझ रहे थे। चिलचिलाती धूप में गन्ने का रस, बेल शरबत, तरबूज, छाछ आदि दुकानों पर लोग गर्मी से बचने का उपाय करते दिखे। जानकारों का कहना कि लू के थपेड़ों से बचने के लिए तरल पदार्थों का सेवन अधिक मात्रा में करना चाहिए। इसमें ओआरएस का घोल, नींबू पानी, नमक चीनी पानी का घोल आदि के सेवन से ही डिहाइड्रेशन व हीट स्ट्रोक से बचा जा सकता है।

लगातार हो रहे वृक्षों के कटान का प्रभाव मौसम पर देखने को मिल रहा है। रियायशी जीवन जीने की होड़ में लोग प्रकृत का संरक्षण करना भूल गए। जिसका खामियाजा आज लोगों को भोगना पड़ रहा है। प्राकृतिक चीजों से खिलवाड़ करना प्रकृति कतई बर्दाश्त नहीं करता। अगर इसी तरह वृक्षों का कटान होता रहा और पौधरोपण पर जोर नहीं दिया गया तो इसका अंजाम किसी के अंदाजे से कहीं अधिक भयावह साबित होगा। प्रकृति के साथ छेड़छाड़ करने की चेतावनी लगातार आसमान से मिल रही है। ऐसे में अगर सुधार नहीं हुआ तो वह इसका खामियाजा पूरी मानवजाति को भोगना पड़ेगा। जानकारों का कहना है कि पौधरोपण ही एक मात्र ऐसा रास्ता है जिसके जरिए पर्यावरण को बचाया जा सकता है। इसके लिए हर साल अधिक से अधिक पेड़ लगाने की जरूरत है। पौधे रोपित करना किसी एक व्यक्ति की जिम्मेदारी नहीं होती, बल्कि हर व्यक्ति को इस बारे में गंभीर होकर सोंचना चाहिए लेकिन ऐसा हो नहीं पा रहा है। धरती को बचाने के लिए सभी को कम से कम पांच–पांच पौधे रोपित करने के साथ उसके संरक्षण का भी संकल्प लेना होगा।

दिनों दिन बढ़ रही आवादी भी पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रही है। आवादी बढ़ने के साथ आधुनिकता की दौड़ में लग्जरी गाड़ियों की संख्या में दिनोंदिन इजाफा देखने को मिल रहा है। इन सभी गाड़ियों में चल रही निकल रही एसी की गर्मी कहीं न कहीं पर्यावरण को खासा नुकसान पहुंचा रही है। शहरों के बढ़ते दायरे भी पर्यावरण पर बुरा प्रभाव डाल रहे हैं। पेड़ों की कटान कर लोग अपने आशियाने बनाने में जुटे हैं। यदि ऐसा ही चलता रहा तो वह दिन दूर नहीं जब पर्यावरण पर हो रहे भीषण प्रहार का दंश झेलना पड़ेगा।

अभियान चलाकर थानाध्यक्षों ने महिलाओं को किया गया जागरूक

संवाददाता–बलरामपुर। जिले के दो थानों में शनिवार को मिशन जागरूकता अभियान चलाया गया। एसपी केशव कुमार के निर्देशन में चले अभियान में थानाध्यक्षों ने स्वयं लोगों को जागरूक किया। क्षेत्राधिकारी सदर बृजनंदन राय मिशन शक्ति जागरूकता अभियान की अगुवाई कर रहे थे। वह नहरबालागंज में पुलिस टीम के साथ महिलाओं व छात्रों को जागरुक कर रहे थे। उन्होंने कहा कि साइबर क्राइम रोकने के लिए पुलिस बराबर प्रयासरत है। जब सभी लोग जागरूक होंगे तभी साइबर क्राइम पर अंकुश लग सकेगा। इसलिए सभी लोग स्वयं जागरूक हों और अन्य लोगों को भी जागरूक करें। थाना कोतवाली नगर प्रभारी निरीक्षक शैलेश सिंह ने कहा कि अक्सर फोन पर ओटीपी या निजी जानकारी लोगों से साइबर अपराधी पूछते हैं। उपभोक्ता समझ नहीं पाते हैं और प्राइवेट जानकारी या ओटीपी शेयर कर देते हैं। जिससे उनके साथ साइबर क्राइम जैसी घटना घट जाती है। इस अवसर पर उप निरीक्षक अजीत त्रिपाठी व अविरल शुक्ला सहित तमाम लोग मौजूद थे। इसी क्रम में थाना कोतवाली देहात प्रभारी निरीक्षक दुर्गेश कुमार सिंह ने हरिहरगंज में मिशन जागरूकता अभियान चलाया। उन्होंने लोगों को पुलिस आपातकालीन नंबर के साथ–साथ अन्य जानकारी देकर जागरूक किया।

चार लोगों के विरूद्ध विद्युत चोरी का मुकदमा दर्ज

संवाददाता–गोण्डा। पावर हाउस से पांच फीडर के माध्यम से हजारों लोगों को बिजली आपूर्ति होती है। भीषण गर्मी के चलते बिजली की खपत अधिक हो रही है जिससे पावर हाउस में लगे दोनों ट्रांसफर्मर ओवरलोड होकर हीट हो रहे हैं। जिसे ठंढा करने के लिए क्षेत्र में बिजली कटौती करनी पड़ती है। अवर अभियंता अजय कुमार गुप्ता ने बताया कि लोग कटिया लगाकर विद्युत मोटर से अवैध तरीके से फसल की सिंचाई कर रहे हैं। जिसकी वजह लोड बढ़ने से समस्याएं आ रही है। उन्होंने बताया कि अवैध मोटर लगाकर सिंचाई कर रहे चार लोगों पर बड़गांव गोण्डा स्थित विभागीय थाना में एफआईआर दर्ज कराई गई है। अवर अभियंता अजय कुमार गुप्ता ने बताया कि ओमप्रकाश जायसवाल पुत्र रामलाल जायसवाल शिवपुरा चौराहा बसन्तपुर राजा, प्रदीप कुमार प्रजापति पुत्र गुरु प्रसाद प्रजापति भवानीपुर कला, फखरुद्दीन पुत्र नूर मोहम्मद गोसेंद्रपुर अर्जुनपुर व स्वामीनाथ मिश्रा उर्फ छोटकऊ पुत्र बद्री प्रसाद मिश्रा शिवपुरा चौराहा बसन्तपुर राजा के खिलाफ विभागीय थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। जेई ने बताया कि क्षेत्र में अभियान जारी रहेगा और बिजली चोरी करते हुए पकड़े जाने पर एफआईआर दर्ज कराई जायेगी।

बस संचालन में लापरवाही मिलने पर दो चालकों की सेवा समाप्त

संवाददाता–बलरामपुर। बलरामपुर डिपो में तैनात दो संविदा चालक के बिना सूचना के गायब रहने पर उनकी सेवा समाप्त कर दी गई है। साथ ही डिपो में चालकों की जमा प्रतिभूति धनराशि भी जब्त कर ली गई है। वरिष्ठ डिपो इंचार्ज तरन्नुम ने बताया कि संविदा चालक अनिल कुमार तिवारी 30 दिसंबर 2023 व संविदा चालक संजय कुमार सिंह 15 जनवरी 2024 से बिना सूचना के ड्यूटी से गायब चल रहे थे। चालकों के ड्यूटी पर न आने के कारण बसों का संचालन प्रभावित होने के साथ ही परिवहन निगम को राजस्व का नुकसान भी हुआ है। दोनों चालकों ने अनुपस्थित रहने का कारण भी कार्यालय में नहीं बताया। चालकों से कई बार संपर्क किया गया, लेकिन कोई जवाब नहीं आया। दोनों चालकों ने अपने कार्य में कोई रूचि नहीं दिखाई और न ही अपने दायित्वों का निर्वहन किया। चालकों की मनमानी से परिवहन निगम को नुकसान झेलना पड़ा। ऐसे में निगम के कार्य बाधित करने का दोषी मानते हुए चालकों को नाम संविदा सूची से हटाकर सेवा समाप्त कर दी गई है।

ट्रांसफार्मर बदलने आया लाइनमैन करंट से झुलसा

संवाददाता–श्रावस्ती। बीते कई दिनों से माल्ही गांव में ट्रांसफार्मर खराब था। जिसे बदलने आया प्राइवेट लाइनमैन करंट की चपेट में आकर गंभीररूप से झुलस गया। सूचना पर पहुंचे परिजनों की ओर से निजी वाहन से इलाज के लिए बहराइच ले जाया गया। मल्हीपुर थाना क्षेत्र के चमरपुरवा स्थित माल्ही गांव में लगा एक ट्रांसफार्मर कई दिनों से खराब था। लोगों की ओर से ट्रांसफार्मर बदलने की मांग की जा रही थी। इस गांव को बहराइच जनपद स्थित बिजली उपकेन्द्र नन्दी गांव कबाड़िनपुरवा से बिजली आपूर्ति की जा रही है। शुक्रवार शाम को प्राइवेट लाइनमैन मल्हीपुर थाना क्षेत्र के चरगहवा निवासी नियामत (35) पुत्र सदर ट्रांसफार्मर लेकर बदलने आया था। ट्रांसफार्मर बदलने के दौरान अचानक बिजली आपूर्ति चालू हो गई। इससे नियामत करंट की चपेट में आकर गंभीररूप से झुलस गया। लोगों की ओर से हादसे की सूचना परिजनों को दी गई। मौके पर पहुंचे परिजन नियामत को निजी वाहन से इलाज के लिए बहराइच ले गए।

मतदान का बाद बोले सीएम योगी, एक बार फिर प्रचंड बहुमत वाली मोदी सरकार बननी तय

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश की जनता के प्रबल समर्थन और आशीर्वाद से 4 जून को जब लोकसभा चुनाव के अलग अलग चरणों मे हुए मतदान का फैसला आएगा तो एक बार फिर प्रचंड बहुमत से मोदी सरकार बननी तय है। जनता ने विकसित और आत्मनिर्भर भारत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति विश्वास व्यक्त करते हुए भाजपा को भरपूर आशीर्वाद दिया है। लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण में शनिवार सुबह मतदान करने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोकतंत्र के महापर्व लोकसभा चुनाव 2024 के अंतिम चरण का चुनाव आज देश के 8 राज्यों की 57 सीटों पर हुआ। इसमें पूर्वी उत्तर प्रदेश की 13 सीटों महाराजगंज, गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर, बांसगांव, सलेमपुर, बलिया, घोसी, रॉबर्ट्सगंज, गाजीपुर, वाराणसी, चंदौली व मिर्जापुर पर भी आज वोट डालें जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले ढाई महीने से अधिक समय से जो देश के अंदर आमजन की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए विभिन्न राजनीतिक दलों ने जनता जनार्दन के सामने अपने–अपने मुद्दे रखे।

अपनी सरकारों के समय के कार्य और कारनामों को रखा। देश के अंदर नई सरकार का गठन करने के लिए मतदाताओं ने सभी राजनीतिक दलों के शासनकाल और कुछ दलों की पूर्व सरकारों के कारनामों का अवलोकन करते हुए उनका मूल्यांकन किया है। देश के अंदर जो समर्थन मिला है, उसको ध्यान में रखते हुए कहा जा सकता है कि 4 जून को जब जनता का फैसला आएगा तो देश के अंदर आत्मनिर्भर भारत, विकसित भारत, विरासत भी–विकास भी, गरीबों के प्रति संवेदना भी और युवा पीढ़ी के उज्जवल भविष्य के लिए जिन लोगों ने, जिन पार्टियों ने, जिन सरकारों ने काम किया है, उनका पूरा आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है। जनता को यह सुखद अनुभूति होगी देश में पीएम मोदी एक बार फिर से प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाएंगे और उत्तर प्रदेश इसमें अपनी भूमिका का पूरी मजबूती से निर्वहन करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी लोगों ने 10 वर्षों में बदलते हुए भारत को तथा पिछले 7 वर्षों में डबल इंजन की सरकार में नए उत्तर प्रदेश का दर्शन किया है।

यहां युवाओं के लिए, किसानों के लिए, व्यापारियों के लिए, महिलाओं के लिए और समाज के हर तबके के लिए सुरक्षा, सम्मान और विकास की भावना से जो कार्य मोदी जी के नेतृत्व में हुआ है, उससे जनता का आशीर्वाद मोदी जी को भारतीय जनता पार्टी को पूरे प्रदेश के अंदर देश के अंदर प्राप्त हुआ है और हो रहा है। सीएम योगी ने प्रतिकूल मौसम के बावजूद मतदाताओं के उत्साह के लिए हृदय से उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस समय तापमान 50 डिग्री का आसपास जा रहा है। इसके बावजूद मतदान के लिए जनता का उत्साह कम नही रहा। बल्कि जनता ने और आगे बढ़कर लोकतंत्र को मजबूत करने में अपना योगदान दिया है।

सीएम ने कहा कि 50 डिग्री का टेंपरेचर कभी यहां लोगों ने नहीं देखा। प्रकृति परीक्षा ले रही है। प्रकृति की इस परीक्षा में हम सबको खरा उतरना होगा। जनता जनार्दन को अपने आप को साबित करना होगा कि अग्नि परीक्षा के इस दौर में हम लोकतंत्र को और मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा कि हालांकि आज सातवें चरण के मतदान के दिन प्रातः काल मौसम बहुत सुहावना हो गया है। मतदाताओं से अपील है कि सुहावने मौसम का आनंद लेकर मतदान करें। सीएम ने कहा कि जाति, मत महजब से ऊपर उठकर विकसित और आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए, आगामी तीन वर्षों में देश को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए, सभी नागरिकों के जीवन में खुशहाली लाने के लिए जनता जनार्दन का आशीर्वाद मोदी जी और भाजपा को प्राप्त हो रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोकतंत्र की इस महापुर में आधी आबादी का सत प्रतिशत आशीर्वाद पीएम मोदी को मिल रहा है इसके लिए कारण गिनाते हुए उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा सम्मान और स्वावलंबन के लिए पीएम मोदी के नेतृत्व में सरकार ने अभूतपूर्व कार्य किए हैं। उन्होंने शक्ति वंदन अधिनियम, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, मातृ वंदना आदि योजनाओं से नारी सशक्तिकरण को नई दिशा दी है। सीएम योगी ने युवा मतदाताओं से कहा उन्हें अपने उज्जवल भविष्य के लिए पीएम मोदी की संकल्पना से जुड़कर बेहतरीन इंफ्रास्ट्रक्चर युक्त नए भारत, दुनिया में सम्मान प्राप्त कर रहे नए भारत को आगे बढ़ाने के अभियान में बढ़–चढ़कर भाग लेना चाहिए और लोकतंत्र को मजबूत करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो दल, जो लोग अपनी हार से पस्त होकर युवाओं को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं, उनके बहकावे में नहीं आना चाहिए। आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लक्ष्य में ही हम सबका भविष्य उज्जवल है और युवाओं को भी इसी लक्ष्य के प्रति मतदान करना चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आध्यात्मिक–राष्ट्र साधना पर विपक्षी दलों के नेताओं की तरफ से दिए जा रहे बयानों पर भी तीखी प्रतिक्रिया दी। इस संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि बिना थके, बिना डिगे, बिना रुके भारत माता की सेवा करने वाले पीएम मोदी की आध्यात्मिक आराधना पूरी तरह राष्ट्र आराधना है। पर जो लोग भोग में लिप्त हैं, भ्रष्टाचार में लिप्त हैं, अनाचार और दुराचार में लिप्त हैं, वे लोग आध्यात्मिक आराधना के महत्व को नहीं समझ सकते। इंडी गठबंधन के दलों की आज होने वाली समीक्षा बैठक के संबंध में पूछे गए सवाल पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तंज कसते हुए कहा कि अच्छा है कि इंडी गठबंधन के दलों के नेता 4 जून के पहले आज बैठकर ठंडई पी लें। क्योंकि, इस गठबंधन में जितने दल हैं 4 जून के बाद उतने ही फाड़ होने वाले हैं। ये सभी तब एक–दूसरे के ऊपर दोषारोपण करेंगे, एक दूसरे को गाली देंगे। अच्छा है उससे पहले एक बार ठंडई पी लें, जिससे गालीगलौज कम हो।

समाजवादी पार्टी की तरफ से मतगणना से पहले अपने कार्यकर्ताओं की तरफ से ईवीएम की रखवाली कराने, निर्वाचन आयोग की मंशा पर प्रकारणतर में उठाए गए सवाल पर भी मुख्यमंत्री ने प्रतिक्रिया व्यक्त की। सीएम योगी ने कहा कि जिनको प्रदेश में 80 सीटों पर उम्मीदवार नहीं मिले उन्हें किसी न किसी पर दोषारोपण तो करना ही है। ये लोग ईवीएम पर दोषारोपण करते करते थक चुके हैं। अब निर्वाचन आयोग पर आरोप लगाकर लोकतंत्र का मखौल उड़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने निशाना साधते हुए कहा कि कौन नहीं जानता है कि लोकतंत्र में इनकी कोई निष्ठा नहीं है। माफियाओं, आतंकवादियों को गले का हार बनाने वाले लोग हैं। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग पूरी निष्पक्षता, पारदर्शिता और ईमानदारी से निर्वाचन की प्रक्रिया को संपन्न करा रहा है।

लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए न्यायिक अधिकारियों संग बैठक

संवाददाता–संतकबीरनगर। राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जनपद न्यायाधीश अनिल कुमार वर्मा प्रथम ने न्यायिक अधिकारियों के साथ बैठक किया। राष्ट्रीय लोक अदालत आगामी 13 जुलाई को जनपद न्यायालय समेत सभी तहसीलों एवं विभागों में आयोजित होगी। यह जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं अपर जिला जज महेन्द्र कुमार सिंह ने दी।

बैठक में जनपद न्यायाधीश अनिल कुमार वर्मा प्रथम ने न्यायिक अधिकारियों को अवगत कराया कि यह लोक अदालत राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर आयोजित होगी। लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए सभी को हर सम्भव प्रयास करना होगा। सभी के सहयोग से ही लोक अदालत सकुशल सम्पन्न हो सकेगा। अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण करने के लिए पक्षकारों नोटिस एवं समन का तामीला करवाया जाना आवश्यक है।

सभी न्यायिक अधिकारियों को अपने कोर्ट में लोक अदालत के लिए लक्ष्य निर्धारित करके ही वादकारियों की उपस्थिति के लिए तामीला प्रक्रिया आरम्भ करना होगा। बैठक में अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश रमेश दूबे, एडीजे एवं विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट कृष्ण कुमार पंचम, एडीजे एवं विशेष न्यायाधीश एससीएसटी एक्ट गगन कुमार भारती, एडीजे फास्ट ट्रैक द्वितीय देवेन्द्र नाथ गोस्वामी, एडीजे पाक्सो प्रथम जितेन्द्र सिंह द्वितीय, सीजेएम अनिल कुमार एकादश, सिविल जज सीनियर डिवीजन चेतना त्यागी, प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड संजय राज पांडेय, सिविल जज जूनियर डिवीजन मिमोह यादव समेत अन्य न्यायिक अधिकारी उपस्थित रहे ।

दोपहर में बंद कर दिया जाता है राम मंदिर का निर्माण कार्य

संवाददाता–गोरखपुर। भीषण गर्मी का प्रकोप बढ़ गया है। अयोध्या जिले में तापमान 43 डिग्री के आसपास है। चिलचिलाती धूप व गर्मी के चलते नगर में श्रद्धालुओं की संख्या भी कम हो गई है। वहीं राममंदिर ट्रस्ट ने भी मजदूरों को गर्मी से बचाने के लिए मंदिर निर्माण कार्य के समय में बदलाव कर दिया है। अब दोपहर 12 बजे से चार बजे तक निर्माण कार्य ठप रहता है। मंदिर निर्माण का काम अब सुबह व शाम के समय किया जा रहा है। सुबह आठ से 12 बजे तक मजदूर काम कर रहे हैं। इसके बाद दोपहर चार बजे से रात 12 बजे तक मजदूर काम कर रहे हैं। राममंदिर के ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र ने बताया कि मजदूरों को रोजाना ओआरएस दिया जा रहा है, ताकि उन्हें गर्मी से बचाया जा सके। साथ ही श्रद्धालुओं की भी सुविधा का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। यात्री सेवा केंद्र में श्रद्धालुओं के लिए पानी व पंखे, कूलर की व्यवस्था की गई है। दर्शन पथ पर कारपेट बिछाई गई है। जहां–जहां शेड नहीं लगे थे वहां भी अब शेड लगा दिया गया है। दर्शनपथ पर भी कूलर व पंखे लगाए गए हैं।

ऑपरेशन कर 10 किलो का ट्यूमर निकाला

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों ने एक मरीज का सफल ऑपरेशन कर पेट से 10 किलो का ट्यूमर निकाला। चिकित्सकों ने बताया कि मरीज के पेट में दर्द होने के बाद कराए गए अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट में ट्यूमर होने की जानकारी हुई थी। इसके बाद ऑपरेशन का निर्णय लिया गया था। मेडिकल कॉलेज में सर्जन डॉ. डीसी चौधरी ने बताया कि संतकबीर नगर जिले के मेंहदावल क्षेत्र के जबांव गांव निवासी खुश्बू (16) के पेट में काफी दर्द हो रहा था। मरीज ने दर्द होने पर चिकित्सकीय परामर्श लिया। जिसकी जांच में ट्यूमर होने की पुष्टि हुई। शुक्रवार को उनके साथ डॉ. लवकुश पटेल, डॉ. पाखोली पेरी, एनीथिसिया डॉ. विजय, स्टाफ नर्स कमला वर्मा, रेनू भारती, अल्का पाठक, वंदना, शालू मल्ल, राहुल, बीवना, सुरेश व सहनाज के संयुक्त प्रयास से सफल ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के दौरान पेट से 10 किलो का ट्यूमर निकला है। मरीज पहले से काफी स्वस्थ है। उन्होंने बताया कि मरीज का घाव भर जाने के बाद छुट्टी की जाएगी।

काबीना मंत्री की दो बहुओं के नाम मतदाता सूची से गायब, एक हैं विधायक की पत्नी

संवाददाता–गोरखपुर। पादरी बाजार इलाके के जंगल सालिकराम निवासी प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ संजय कुमार निषाद की दो बहुओं का नाम मतदाता सूची में नहीं था। बीएलओ की तरफ से कैबिनेट मंत्री और परिवार के अन्य सदस्यों की पर्ची उन्हें दे दी गई थी। लेकिन, बहुओं की पर्ची नहीं मिलने पर उनके द्वारा आलाधिकारियों से शिकायत की गई। मतदान से दिन बीएलओ और तहसील कर्मियों ने घर जाकर दोनों बहुओं की मतदाता पर्ची उन्हें दी। इसके बाद सभी मतदान कर सके। संजय निषाद के बड़े पुत्र डॉ अमित कुमार निषाद की पत्नी आरती कश्यप व चौरीचौरा के विधायक सरवन निषाद की पत्नी नेहा निषाद का नाम मतदाता सूची में नाम नही था। वहीं, कैबिनेट मंत्री और उनके परिवार के सदस्यों की मतदान पर्ची न मिलने से इस मामले की शिकायत जिलाधिकारी से कर दी।

इधर, जंगल सालिकराम और शिवपुर सहबाजगंज में 8 बीएलओ हैं। तीन दिनों से कैबिनेट मंत्री के घर के पास संगम चौराहे पर बीएलओ कैंप लगाकर लोगों की वोटर पर्ची बना रहे थे। लेकिन, फिर भी परिवार से संपर्क कर सभी की मतदान पर्ची उन्हें नहीं दी गई। मतदान से वंचित न हो, मंत्री संजय निषाद ने इस मामले में जब शिकायत की तब जाकर उनकी पर्ची बनी। इसके बाद जाकर उन्होंने अपना मतदान किया।

संकट मोचन हनुमान मंदिर में पढ़ी हनुमान चालिसा, रविकिशन ने पत्नी संग लाइन में लग किया मतदान

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर लोकसभा सांसद व दूसरी बार भाजपा के प्रत्याशी रवि किशन शुक्ला ने मतदान के पहले तारामंडल स्थित संकट मोचन मंदिर में हनुमान चालीसा का पाठ किया। पत्नी प्रीति शुक्ला भी साथ मौजूद रही। हनुमान चालीसा का पाठ और पूजा करने के बाद पत्नी संग रवि किशन मतदान करने पहुंचे। लाइन में खड़े होने पर पूछने पर कहा, मैं अपने मतदाताओं की तरह ही सामान्य हूं। अंतर है कि हम चुनाव लड़ रहे हैं। मैं, वीआईपी नहीं हूं कि लाइन से आगे जाकर मतदान करता। कहा कि भाजपा जब से सरकार में आई है इसी वीआईपी क्रेज को खत्म कर रही है। पीएम मोदी महान बार पीएम बनें तो आते ही उन्होंने लाल बत्ती की गाड़ी के मॉडल को खत्म करवा दिया। कहा, जब मुखिया इतने जमीनी हैं, तो आपको भी एक आम आदमी की तरह ही रहना चाहिए। मैं दूसरों से ऊपर नहीं हूं। उन्होंने कहा कि आज का मौसम जो थोड़ा शांत है वो पीएम नरेंद्र मोदी की साधना का असर है। उन्होंने साधना में बैठकर सूर्य देवता को भी शांत कर दिया है।

500 वर्षों का संघर्ष बता रहीं राम मंदिर की दीवारें, आडवाणी की रथयात्रा का भी किया गया जिक्र

संवाददाता–अयोध्या। नव्य मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को हुई तो सदियों का संघर्ष भी फलीभूत हुआ। राम जनार्दन का सपना यूं ही नहीं साकार हुआ है, इसके पीछे एक सुदीर्घ संघर्ष यात्रा है। रामलला के दरबार में हाजिरी लगाने वाले दर्शनार्थी भी इस संघर्ष की दास्तां से रूबरू हो रहे हैं, क्योंकि ट्रस्ट ने राम मंदिर की दीवारों पर इस पूरी यात्रा को दर्शाया है। दीवारों पर वर्ष 1528 से लेकर 22 जनवरी 2024 तक की पूरी यात्रा को अंकित किया गया है। वंशी पहाड़पुर के लाल पत्थरों पर अंग्रेजी व हिंदी भाषा में पूरी कहानी अंकित की गई है। शुरुआत में बताया गया है कि प्राचीन काल में, इस स्थान पर सबसे पहले मंदिर का निर्माण महाराजा विक्रमादित्य ने ऋषि लोमश के निर्देशों के तहत और कामधेनु की उपस्थिति में करवाया था। इसके बाद वर्ष 1528 की कहानी शुरू होती है। इसमें लिखा है कि 1528 ई. में एक विदेशी आक्रमणकारी की सेना ने इस मंदिर को ध्वस्त कर दिया और इस स्थान पर तीन गुंबदों वाली एक संरचना का निर्माण किया जो बाबरी मस्जिद के नाम से प्रसिद्ध हुई। इसके बाद उन इतिहासकारों का जिक्र है, जिन्होंने अयोध्या व राम मंदिर के अस्तित्व को माना है। इनमें ब्रिटिश अधिकारी पी. कार्नेगी व भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के महानिदेशक अलेक्जेंडर कनिंघम का भी जिक्र है। इसके बाद निर्मोही अखाड़ा के महंत रघुबर दास की ओर से मंदिर को लेकर वर्ष 1853 में किए गए पहले मुकदमे का जिक्र है। यहां 22 दिसंबर 1949 को रामलला के प्राकट्य की भी कहानी अंकित की गई है। इसके बाद के माहौल को भी बताया गया है। राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य डॉ अनिल मिश्र कहते हैं कि युवा पीढ़ी मंदिर आंदोलन के बारे में जान सके, इस उद्देश्य से दीवारों पर इस यात्रा को अंकित किया गया है।

राम मंदिर की दीवारों पर वकील गोपाल सिंह विशारद, परमहंस रामचंद्र दास व निर्मोही अखाड़ा की ओर से किए गए मुकदमे की लंबी कहानी है। देवकी नंदन अग्रवाल ने रामलला के सखा के रूप में जो मुकदमा दायर किया था, वह भी लिखा है। सितंबर वर्ष 1990 में अयोध्या में श्रीराम मंदिर के निर्माण के आह्वान के लिए समर्थन जुटाने के लिए भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी ने गुजरात के सोमनाथ मंदिर से उत्तर प्रदेश के अयोध्या तक रथयात्रा निकाली थी, इसकी भी पूरी कहानी लिखी है। दीवारों पर बाबरी विध्वंस से लेकर मंदिर निर्माण तक की पूरी यात्रा को दर्शाया गया है। छह दिसंबर वर्ष 1992 की घटना, वर्ष 2003 में हुई खोदाई व सर्वेक्षण में दसवीं शताब्दी के उत्तर भारतीय शैली के विष्णु मंदिर के अवशेष मिलने की भी कहानी है। 20 सितंबर वर्ष 2010 को अयोध्या मामले में आए अदालत के निर्णय के बारे में बताया गया है। इसके बाद नौ नवंबर 2019 को मंदिर के हक में आए निर्णय को भी बताया गया है। निर्णय के बाद मंदिर के भूमि पूजन से लेकर प्राण प्रतिष्ठा तक की कहानी अंकित की गई है।

ग्रामीणों ने किया सामूहिक मतदान का बहिष्कार, दोपहर बाद मानें ग्रामीणों ने किया मतदान

संवाददाता–गोरखपुर। जंगल कौड़िया ब्लाक के कँपियरगंज तहसील अंतर्गत थवईपार और रगरगंज गांव के ग्रामीणों ने शनिवार को बूथ संख्या 274 पर सुबह से ही प्रशासन और नेताओं का प्रति विरोध जताना शुरू कर दिया। गांव वालों ने सामूहिक रूप से मतदान का बहिष्कार कर दिया। कँपियरगंज तहसील अंतर्गत थवईपार और रगरगंज गांव के ग्रामीणों ने शनिवार को बूथ संख्या 274 पर सुबह से ही संगठित होकर प्रशासन और नेताओं के प्रति विरोध जताया था और सामूहिक रूप से मतदान का बहिष्कार कर दिया था। गांव के मुख्य मार्ग पर ग्रामीणों ने बैनर लगाया था कि ष चकबंदी नहीं तो वोट नहींश रामावतार विश्वकर्मा, रामकेरे सिंह पूर्व प्रधान, संतोष कुमार वर्तमान प्रधान, विदेशी सिंह आदि ग्रामीणों ने बताया कि देश आजाद होने के बाद भी गांव में आज तक चकबंदी नहीं हुई जिसके चलते ना नालियां बन पाई है ना सड़कें बना पाई है। गांव में रहना दुश्वार हो गया है। चकबंदी के लिए 1959 में अधिसूचना जारी हुआ जो 1961 में संपन्न हुआ तथा 1962 में धारा 45 पूर्ण हुआ परंतु

उसके बाद आज तक चकबंदी प्रक्रिया पूरी नहीं की गई। ग्रामीण दोपहर 12 बजे तक जिलाधिकारी को गांव में बुलाने की मांग करते रहे। जिलाधिकारी द्वारा चकबंदी कराए जाने का आश्वासन देने के बाद ही मतदान करने की मांग मौके पर मौजूद अधिकारियों से करते रहे। अधिकारियों के समझाने बुझाने के बाद और क्षेत्रीय विधायक फतेह बहादुर सिंह से वीडियो कॉल पर आश्वासन मिलने के बाद दोपहर 12:00 बजे के बाद ग्रामीणों ने मतदान शुरू किया। शाम साढ़े पांच बजे तक 990 मत के सापेक्ष कल 400 मत पड़े थे। रामावतार विश्वकर्मा, रामकेरे सिंह पूर्व प्रधान, संतोष कुमार वर्तमान प्रधान, विदेशी सिंह ने बताया कि देश आजाद होने के बाद भी गांव में आज तक चकबंदी नहीं हुई, जिसके चलते ना नालियां बन पाई है ना सड़कें बना पाई हैं। गांव में रहना दुश्वार हो गया है। चकबंदी के लिए 1959 में अधिसूचना जारी हुआ, जो 1961 में संपन्न हुआ तथा 1962 में धारा 45 पूर्ण हुआ परंतु उसके बाद आज तक चकबंदी प्रक्रिया पूरी नहीं की गई। ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन कर शीघ्र चकबंदी कराने की मांग की है।

फलोदी सट्टा बाजार की भविष्यवाणीः अंतिम चरण में गोरखपुर सीट पर सत्ता परिवर्तन संभव

संवाददाता–गोरखपुर। योगी आदित्यनाथ भले ही इस बार गोरखपुर से उम्मीदवार नहीं हैं, लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि इस सीट पर उनका प्रभाव कम हुआ है। वर्षों पहले इसी सीट से सबसे युवा सांसद के तौर पर चुने गए योगी, आज भी गोरखपुर के प्रति अपने विशेष स्नेह और लगाव के कारण वहां की जनता के बीच लोकप्रिय हैं। उनकी नियमित गोरखपुर यात्राएं, जनता दरबार और वहां के लोगों के साथ उनके सीधे संवाद से यह स्पष्ट होता है कि गोरखपुर उनके दिल के करीब है। गोरखपुर के लोगों का कहना है कि योगी आदित्यनाथ की व्यक्तिगत जुड़ाव और उनकी नियमित मौजूदगी ने उन्हें जनता के दिलों में एक स्थायी जगह दिलाई है। वहीं, भाजपा से जुड़े पार्टी जानकारों के अनुसार, मौजूदा सांसद रवि किशन की राजनीतिक जमीन पर पकड़ कमजोर है।

योगी आदित्यनाथ के विपरीत, रवि किशन गोरखपुर के स्थानीय मुद्दों और लोगों से सीधे तौर पर जुड़े नहीं हैं, जिससे वे क्षेत्र के पढ़े–लिखे और मध्यवर्गीय मतदाताओं से दूर हो गए हैं। चर्चा यह भी है कि रवि किशन की छवि एक फिल्मी अभिनेता की बनी हुई है, जो जनता–जनार्दन के बीच कम और फिल्मी रील–डायलॉग में ज्यादा दिखते हैं। इसके विपरीत, सपा–कांग्रेस इंडिया गठबंधन की प्रत्याशी काजल निषाद ने अपने जोरदार चुनावी कैंपेन के माध्यम से जनता का ध्यान आकर्षित किया है। काजल निषाद, जो पहले भी कई चुनाव लड़ चुकी हैं, गली–मोहल्लों और गांव–कस्बों में जाकर लोगों से मिल रही हैं, जिससे उनका जनाधार मजबूत हो रहा है। गोरखपुर में निषाद समुदाय की बड़ी आबादी भी काजल निषाद के पक्ष में जाती दिख रही है। पिछले लोकसभा उपचुनाव में भी बीजेपी को यहां पराजय का सामना करना पड़ा था, जिससे यह साफ है कि गोरखपुर अब अभेद्य किला नहीं रहा है।

रवि किशन, जो अपने गृह जनपद जौनपुर से कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की थी, जनता द्वारा नकार दिए गए थे।

इसके बाद उन्होंने बीजेपी का दामन थामा और योगी आदित्यनाथ के गृह क्षेत्र गोरखपुर से सांसद बने। अब दूसरी बार चुनावी दंगल में अपनी राजनीतिक साख बचाने की चुनौती उनके सामने है। इस चुनावी समर में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या रवि किशन अपनी सीट बचा पाएंगे या काजल निषाद अपनी कड़ी मेहनत से गोरखपुर की सत्ता पलट देंगी। गोरखपुर की जनता का फैसला 4 जून को ईवीएम के माध्यम से सामने आएगा। फलोदी सट्टा बाजार के दावों की हकीकत मतगणना के बाद ही सामने आएगी। हालांकि, यह बाजार अपने सटीक अनुमानों के लिए जाना जाता है, फिर भी इसके अनुमान कई बार गलत भी साबित हो चुके हैं। ग्राउंड से आई अनुसार ही खबर पूरी।

सेवानिवृत्त सहायक सूचना निदेशक प्रभाकर तिवारी को दिया भावभीनी विदाई

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। सहायक निदेशक सूचना प्रभाकर तिवारी की अधिवर्षता आयु पूरी कर सेवानिवृत्त होने पर मण्डलीय सूचना कार्यालय में पत्रकारों तथा उनके सहकर्मियों द्वारा उपहार भेंटकर भावभीनी विदाई दी गयी।

उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए वरिष्ठ पत्रकार दिनेश चन्द्र पाण्डेय ने कहा कि सेवानिवृत्ति एक सतत प्रक्रिया है। श्री तिवारी का प्रेस के साथियों के साथ सहयोगात्मक भूमिका रही है। अब वे शासकीय दायित्वों से हटकर उनमुक्त जीवन शैली से कार्य करने के लिए स्वतंत्र हैं।

पत्रकार सुरेश सिंह गौतम ने कहा कि शासकीय समाचारों को जारी करने में बड़ी लगन एवं तत्परता से जो कार्य श्री तिवारी ने किया है वह सराहनीय है। संचालन करते हुए प्रेस क्लब अध्यक्ष विनोद कुमार उपाध्याय ने कहा है कि श्री तिवारी अपने कार्यकाल में पत्रकारों का पूर्ण सहयोग किया। इनके साथ जितना दिन मैंने कार्य किया बहुत कुछ इनसे सीखने को मिला है, ये मेरे बडे भाई के सामान अभिभावक तुल्य है।

श्री तिवारी प्रशासन और पत्रकारों के बीच बेहतर सामंजस्य स्थापित करते हुए सरकार की योजनाओं का प्रचार–प्रसार करने में अपनी अहम भूमिका निभायी। उपस्थित पत्रकार साथियों ने कहा कि समाचार सम्प्रेषण एवं कुशल लेखन हेतु हम सभी श्री तिवारी को सदैव अपने स्मृतियों में बसाये रखेंगे तथा प्रयास हो कि हमेशा जुड़े रहें। उपस्थित पत्रकारों एवं सहकर्मियों ने उनके सुखमय जीवन की मंगल कामना किया।

इस मौके पर पत्रकार कौशल ओझा, सर्वेश श्रीवास्तव, अशोक श्रीवास्तव, जयप्रकाश उपाध्याय, अनुराग श्रीवास्तव, लवकुश सिंह, एस0के0 गौड़, अनिल श्रीवास्तव, तबरेज आलम के साथ ही विभागीय कर्मी अपर सूचना अधिकारी हितेन्द्र चौधरी, अश्वनी तिवारी, ओमप्रकाश, जगदीश, अब्दुल हक, विद्यावती, लालजी शुक्ल, अनिल सिंह, सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

साहब को नींद से जगाने के लिए लगा दी 5 लेखपालों की ड्यूटी

संवाददाता–गोरखपुर। लोकसभा चुनाव के सातवें एवं अंतिम चरण में सरकारी विभाग के जिम्मेदार अफसरों ने अजीबोगरीब आदेश जारी कर अपनी फजीहत करा ली है। अफसरों ने एक सेक्टर मजिस्ट्रेट को जगाने के लिए पांच–पांच लेखपालों की ड्यूटी लगा दी, जिसके बाद लेखपालों ने इसे गैर जिम्मेदाराना आदेश बताते हुए विरोध किया। सहायक रिटर्निंग आफिसर ने गोरखपुर तहसील के फाट्सएप ग्रुप पर शुक्रवार को एक रोचक आदेश जारी कर दिया, पत्रांक संख्या 578 के आदेशानुसार सभी सेक्टर मजिस्ट्रेटों को सुबह 4रू00 बजे जगाने के लिए पांच–पांच लेखपालों को तैनात कर दिया। पत्रांक में बकायदा सेक्टर मजिस्ट्रेट को जगाने वाले पांच लेखपालों के नाम भी सुझाए गए हैं। अधिकारियों द्वारा इस तरह के आदेश जारी करने पर लेखपालों ने नाराजगी जहर की। इस बाबत लेखपालों ने बताया कि पहली बार ऐसा हुआ है कि चुनाव के दौरान सेक्टर मजिस्ट्रेटों को जगाने के लिए पांच–पांच लेखपालों की ड्यूटी लगाई गई हो। उन्होंने बताया कि इतने जिम्मेदार पद पर रहने के बावजूद यदि उन्हें जगाना पड़े तो यह बड़ी विडंबना है। कहा कि हर कर्मचारी की अपनी एक गरिमा है और जब इतना बड़ा चुनाव देश में हो रहा हो तो सभी को अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कार्यालय से इस तरह का आदेश आना चौंकाने वाला है।

दैनिक
भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com